दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:37 ए एम
सूर्यास्तः 06:59 पी एम
तिथिः प्रतिपदा - 09:52 पी एम तक
नक्षत्रः विशाखा - 09:13 पी एम तक
योगः व्यतीपात - 07:31 ए एम तक
क्षय योगः वरीयान - 05:21 ए एम, मई 07 तक
करणः बालव - 10:31 ए एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः गुरूवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 131 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरूवार 11 मई 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी सिंहभूम जिले में नाबालिग से गैंगरेप,मेले से लौटते वक्त तीन आरोपियों ने दिया वारदात को अंजाम

पूर्वी सिंहभूम/एजेंसी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में मेले से घर लौट रही 17 वर्षीय किशोरी के साथ तीन युवकों ने कथित तौर पर गैंगरेप किया। घटना सोमवार रात घाटशिला अनुमंडल के चाकुलिया थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस अभी किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

पुलिस के मुताबिक,मेले से लौटते समय आरोपितों ने उसे घेर लिया और डरा धमकाकर सुनसान जगह पर ले गए। पुलिस ने कहा कि वहां उन्होंने किशोरी के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया।इसके बाद आरोपी उसे घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह वह घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई।

पुलिस ने घटना की एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। चाकुलिया थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

59,727.01–183.74 (0.31%)

निफ्टी

17,660.15–46.70 (0.26%)

इमरान की गिरफ्तारी के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट जाएगी पीटीआई, अमेरिका-यूएन एवं ब्रिटेन ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली/एजेंसी।

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में बवाल मचा हुआ है। इमरान के समर्थक सड़कों पर उतर हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। पाकिस्तान तह-रीक-ए-इंसाफ (PTI) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर से गिरफ़्तार कर लिया गया। इसको लेकर पीटीआई उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने आज बुधवार को कहा कि पार्टी इस्लामाबाद हाईकोर्ट द्वारा पार्टी अध्यक्ष इमरान की गिरफ्तारी को बरक-रार रखने के फैसले को चुनौती देने के लिए आज सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी।

फवाद चौधरी ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को आश्चर्यजनक करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया कि हैरानी की बात है कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान की गिरफ्तारी को कानूनी करार दिया है। पीट-ीआई के प्रमुख इमरान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के वारंट पर रेंजर्स द्वारा आईएचसी के बाहर गिरफ्तार किया गया।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बुधवार को F8 कोर्ट कॉम्प्लेक्स,इस्लामाबाद और न्यायिक परिसर G 11/4 के बजाय H11/1 में न्यू पुलिस गेस्ट हाउस,पुलिस लाइन मुख्यालय में पेश किया जाएगा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का एक राजनीतिक उम्मीदवार या पार्टी पर कोई रुख नहीं है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया भर में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और कानून के शासन के लिए सम्मान का आहवान करते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत परिसर से गिरफ्तार किए जाने के कुछ घंटों बाद संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को पाकिस्तान में सभी राजनीतिक हस्तियों के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करने और उचित प्रक्रिया का पालन करने की आवशयकता पर बल दिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि हम इस पूरे मामले अपनी नजर बनाए हुए हैं।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली कहा क कि मैंने उन रिपोर्टों को देखा है जिनका आपने उल्लेख किया है और हम सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पाकिस्तान में जो कुछ भी होता है वह संविधान के अनुसार कानून के शासन के अनुरूप हो। आगे कहा कि उन्हें अभी तक पाकिस्तान के घटनाक्रम पर विस्तार से जानकारी देने का अवसर नहीं मिला है।

पीएम मोदी का राजस्थान दौरा आज,5,500 करोड़ रुपये की देंगे सौगात

जयपुर/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राजस्थान में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। पीएम सुबह करीब 11 बजे नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर जाएंगे। इसके बाद परियोजनाओं का तोहफा देंगे।

इन परियोजनाओं का फोकस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर होगा। सड़क और रेलवे क्षेत्र की परियोजनाओं से माल और सेवाओं की आवाजाही में भी सुविधा होगी।वहीं,प्रधानमंत्री राजसमंद और उदयपुर में टू-लेन के लिए सड़क निर्माण परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनाथजी के दर्शन करेंगे।

तुम्हारी जाति क्या है,दरवाजा खोलकर वॉशरूम जाओ,पंजाब पुलिस की प्रताड़ना बता TV पर ही फूट-फूटकर रोई महिला पत्रकार

नई दिल्ली/एजेंसी।

टाइम्स नाउ की महिला पत्रकार भावना किशोर को 5 मई 2023 को पंजाब पुलिस ने उनके सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था।पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इन्हें जमानत दे दी है। 9 मई को टाइम्स नाउ की ग्रुप एडिटर नविका कुमार और एंकर सुशांत सिन्हा के साथ बातचीत में हिरासत के दौरान पंजाब पुलिस की प्रताड़ना का जिक्र करते हुए महिला पत्रकार फूट-फूटकर रो पड़ीं।

भावना ने बताया कि हिरासत के दौरान उनसे दरवाजा खोलकर वॉशरूम जाने को कहा गया। उनकी जाति को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बोला रात के एक बजे आपका मेडिकल होगा। आपको मजिस्ट्रेट के सामने पेश होना है। मुझे कानून का इतना दांवपेंच नहीं पता था। मेरी तबीयत खराब हो रही थी। घबराहट हो रही थी। जो उन्होंने दिया मैंने खाया। ड्राइवर और कैमरापर्सन ने भी थोड़ा सा खाया। मैं बहुत पानी पी रही थी,क्योंकि मैं नर्वस महसूस कर रही थी। जब मैं वॉशरूम गई तो मेरे साथ 2-3 महिला कॉन्स्टेबल भी थीं। पुलिस स्टेशन में बिजली या पानी नहीं था।

भारत गौरव स्पेशल ट्रेन 20 मई से लोगों को कराने जा रही ज्योतिर्लिंग यात्रा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । भारतीय रेल और आईआरसीटीसी ने पूर्वोत्तर के तीर्थ यात्रियों के लिए भारत गौरव स्पेशल ट्रेन के द्वारा 20 मई से ज्योतिर्लिंग यात्रा की व्यवस्था की है. यह यात्रा 12 दिन और 11 रात की होगी. इसकी जानकारी आईआरसीटीसी के ज्वाइंट जनरल मैनेजर राजेंद्र बोर्बन ने प्रेस वार्ता कर दिया . इस दैरान उन्होंने बताया कि भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को खास तौर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है. 20 मई को यह ट्रेन कोलकाता से पांच ज्योतिर्लिंग और अन्य कई पर्यटन स्थल के लिए रवाना होगी. ज्वाइंट जनरल मैनेजर राजेंद्र बोर्बन ने बताया कि इसमें 650 यात्रियों को ले जाने की व्यवस्था होगी. जो

स्लीपर, थर्ड एसी और सेकंड एसी में अपनी यात्रा कर पाएंगे. स्लीपर क्लास का किराया 20 हज़ार रुपये, थर्ड एसी 30,000 रुपये और सेकंड एसी का भाड़ा 40, 000 रुपये तय किया गया है. यहां बता दें कि 12 दिन और 11 रात में इस ट्रेन से लोग सफर कर पाएंगे. इस दौरान उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, द्वारिकाधीश मन्दिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, शिर्डी साईं बाबा, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, शनि शिगनापुर मन्दिर दर्शान कर पाएंगे. यात्रा 20 मई को शुरू होगी जो 31 मई को समाप्त होगी. दुमका में तीर्थयात्रियों को अपने नजदीक रेलवे स्टेशन रामपुरहाट या भागलपुर स्टेशन से रवाना होना सुविधाजनक होगा. सभी तीर्थ स्थल पर ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई है.राजेंद्र बोर्बन ने बताया कि यह ट्रेन पूरी तरह से पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए तैयार किया गया है. प्रत्येक बोगी में दो अटेंडेंट और सुरक्षा गार्ड रहेंगे. ट्रेन के बाहरी भाग में देश के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों की तस्वीर बनायी गई है, जो देखने में काफी आकर्षक है. रेल यात्रियों को समय-समय पर शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा. जब तीर्थ यात्री ट्रेन से उतर कर तीर्थस्थल की ओर जाएंगे तो प्रत्येक 60 यात्री पर दो लोग उनकी देखरेख के लिए मौजूद होंगे. प्रेस वार्ता के दौरान आईआरसीटीसी के सुपरवाइजर दीपांकर मन्नान ,डीईयू कुरमान मल्लिक मौजूद थे।

बीडीओ ने किया विभिन्न लैम्पस के अध्यक्ष /सहायक प्रबंधक के साथ बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड अन्तर्गत प्रखण्ड विकास पदाधिकारी,राजेश कुमार सिन्हा द्वारा विभिन्न लैम्पस के अध्यक्ष / सहायक प्रबंधक के साथ बैठक प्रखण्ड सभागार, दुमका में किया गया। बैठक में मुख्यतः धान बीज की उपलब्धता, धान खरीद हेतु किसानों का पंजीकरण, लैम्पसों में अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने का अभियान, लैम्पस गोदाम निर्माण, कोल्डरूम निर्माण आदि के संबंध में समीक्षा किया गया। बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा ए०टी०एम / बीटीएम० को निदेश दिया गया कि विभिन्न पंचायतों मे किसान धान पंजीकरण करने हेतु फॉर्म वितरित करना और पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। सभी लैम्पस के अध्यक्ष / सहायक प्रबंधक को निदेश दिया गया कि अपने लैम्पस के क्षेत्र अन्तर्गत

धान बीज की - आवशयकता के अनुसार जिला सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, दुमका को प्रतिवेदित करें ताकि किसानों को ससमय बीज उपलब्ध कराया जा सके । लैम्पस के अध्यक्ष/सचिव को निदेश दिया गया कि लैम्पस के आधारभूत संरचना जैसे- गोदाम निर्माण, कोल्डरूम निर्माण, कार्यशील पूँजी उपलब्धता आदि के लिए जल्द से जल्द अपने लैम्पस के कार्यकारिणी से प्रस्ताव पास कराकर जिला सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, दुमका को प्रेषित करें ताकि दुमका प्रखण्ड अन्तर्गत लैम्पसों का सशक्त किया जा सके । बैठक में प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी दुमका आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एमआर टीकाकरण में सहयोग नही करने वाले शिक्षकों को स्पष्टीकरण भेजने का निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। मसलिया में प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में मंगलवार को बीडीओ पंकज कुमार रवि एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में एमआर अभियान में

शतप्रतिशत बच्चों के टिका दिलाने को लेकर बैठक आयोजन किया गया.बैठक में शिक्षा विभाग,बाल विकास विभाग,जेएसएलपीएस के पदाधिकारी व कर्मी शामिल रहे. बैठक में चिकित्सा पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि खुटोजोरी स्कूल के शिक्षकों से सहयोग नही मिल रहा है, इन क्षेत्र से करीब 150 की संख्या में बच्चे छूटे हुए है. इस पर बीडीओ श्री रवि ने शिक्षा विभाग के बीईईओ को वैसे शिक्षकों से स्पस्टीकरण मांगने का निर्देश दिया है.उन्होंने महिला पर्यवेक्षिका से कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं से छूटे हुए बच्चों का लिस्ट दो दिनों के अंदर स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराएं.मसलिया में हर हाल में शत प्रतिशत एमआर टिकाकरण सुनिश्चित करें..मौके पर डॉ विकास कुमार,बीपीएम नवीन कुमार श्रीवास्तव,बीईईओ जियारूल इस्लाम,रंजू कुमारी,इंद्रजीत,जितेंद्र सिंह,संगीता,सभी महिला पर्यवेक्षिका मौजूद थे.

मयूराक्षी ग्रामीण कालेज में कैरियर काउंसलिंग का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। मयूराक्षी ग्रामीण कालेज में विद्यार्थियों के हित के लिए कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रिटायर्ड बैंक मैनेजर अरिंदम सेन ने विद्यार्थियों को बैंक मैनेजर बनने के गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि बैंक मैनेजर की परीक्षा में 4 तरह के पेपर होते हैं। अंग्रेजी न्यूमेरिकल्स, रिजनिंग और जीके। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय की तैयारी कैसे करें के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आयूक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर आबिद रजा, प्रोफेसर गजेंद्र कुमार सिंह, डॉ रूपम कुमारी और डॉक्टर एस के पत्रलेख भी उपस्थित थे।

बीडीओ ने किया विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लंबित आवासों को पूर्ण करने के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर तथा प्रखण्ड के अन्य पदाधिकारियों और कर्मियों द्वारा दौरा किया गया। तथा लाभुकों से सम्पर्क कर 30 जून 2023 तक आवास पूर्ण करने का निदेश दिया गया । विदित हो कि झारखण्ड सरकार ग्रामीण विकास विभाग के निदेशानुसार 11 मई से लेकर 30 जून तक प्रत्येक गुरूवार को पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास

लाभुक दिवस मनाया जायेगा। इसके लिए 11मई को सभी पंचायतों में लंबित आवास के लाभुकों को आमंत्रित कर आवास पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा ।इसके अतिरिक्त आज आसनसोल और सरूवा पंचायत में मनरेगा के योजनाओं आम बागवानी योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना और पशुशेड योजनाओं का निरीक्षण किया गया । आसनसोल पंचायत में दो लाभुक और सरूवा पंचायत में जोगीडीह गाँव के ग्राम प्रधान के साथ बातचीत कर आम बागवानी योजना लेने के लिए प्रेरित किया गया ।

निरीक्षण के दौरान दोनों पंचायत के मुखिया, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, रोजगार सेवक, पंचायत स्वंयसेवक आदि उपस्थित थे।

अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्णय

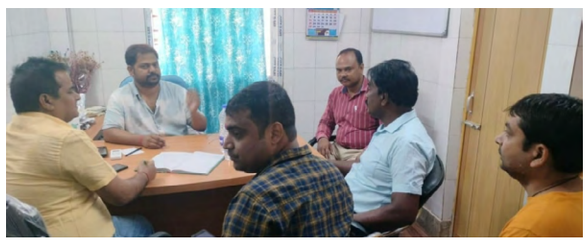

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रमुख हुदू मरांडी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समिति के सदस्यों के पर सरकारी कर्मचारी एवं पदाधिकारी भारी दिखाई दिए।प्रमुख सहित सदस्यों के सामने विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा केवल अपनी करनी का गुणगान करने में ही समय व्यतीत कर दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने एमआर टीकाकरण तथा कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा गंगा जल परियोजना के संबंध में समिति सदस्यों को जानकारी दी गई।वही बैठक में नहीं आने वाले विभाग के पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की बात कही गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी, अंचल अधिकारी राजू कमल,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी देवानंद मिश्रा, पेयजल स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता प्रशांत हंसदा,प्रभारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संजीव कुमार,महिला प्रसार पदाधिकारी तरेशा मुर्मू सहित सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

डायन विशन प्रथा उन्मूलन को लेकर लोगों को किया गया जागरूक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा के निर्देशानुसार काठीकुंड सर्किल के पुलिस निरीक्षक सुशील कुमार एवं गोपीकांदर थाना प्रभारी दिलीप पाल के नेतृत्व में बुधवार को डायन प्रथा जागरूकता अभियान के तहत माईकिंग के माध्यम से सरकारी वाहन में बैनर बांधकर डायन विशन प्रथा उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। बता दें कि यह जागरूकता वाहन थाना क्षेत्र के खरौनी बा जार,दुर्गापुर,कुशचिरा, मुसना एवं साथ गोपीकांदर हटिया में घूम-घूमकर लोगों को डायन विशन प्रथा एवं शराब ना पीने को लेकर जागरूक किया गया,साथ ही शराब पीने से क्या-क्या हानि होती है जैसे शराब कैसे करती है जिंदगी खराब, आर्थिक

हानि,स्वास्थ्य की हानि, सड़क दुघर्टना,समाजिक प्रतिष्ठा, बर्बाद होता है परिवार,बच्चों की पढ़ाई संस्कार आदि जागरूकता नारे के साथ लोगों को बताया एवं समझाया गया। मौके पर उपस्थित थाना प्रभारी दिलीप पाल ने बताया कि इस जागरूकता अभियान में जागरूकता वाहन थाना क्षेत्र के गांव-गांव में घूम-घूमकर लोगों को डायन विशन प्रथा एवं शराब ना पीने को लेकर जागरूक करेगा। इस दौरान अभियान में पुलिस आरक्षी सुकरू उरांव, राजेन्द्र मुर्मू,जफर इकबाल आदि शामिल थें।

6 मई से फरार नाबालिग प्रेमी युगल को रामगढ़ पुलिस ने किया गोड्डा से बरामद

- **पुलिस ने दोनों को सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश करने के बाद भेजा बाल सुधार गृह**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। रामगढ़ प्रखंड के लखनपुर पंचायत से फरार प्रेमी युगल को एसआई अनुज कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा गोड्डा से सकुशल बरामद कर लिया गया है।लड़की के मामा ने सोमवार को लड़के के विरुद्ध भानजी के अपहरण की प्राथमिकी रामगढ़ थाने में दर्ज कराई थी। दोनों 6 मई की शाम को फरार हो गए थे।लड़की वर्ग दशम की छात्रा है तथा अपने ननिहाल में रह कर पढ़ाई करती थी, जबकि लड़का उसके ननिहाल के गांव का ही रहने वाला है तथा इसी वर्ष उसने मैट्रिक की परीक्षा दी है। दोनों अलग-अलग जाति समुदाय के है तथा दोनों नाबालिग बताए जाते है। रामगढ़ थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय के अनुसार दोनों को 363/366(ए) तथा पोक्सो एक्ट की धारा 8/12(ए) के तहत दुमका स्थित सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

बीडीओ के अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जामा में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य रूप से काला जार संक्रमण के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे सर्वेक्षण कार्यक्रम एवं मिजिल्स रूबेला टीकाकरण कार्यक्रम की उपलब्धि एवं ग्राम स्वास्थ्य स्वछता पोषण समिति पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।बैठक के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशिधर मिश्र ने बताया कि एमआर वेक्सिनेशन कार्यक्रम के तहत सभी केंद्रों में कुल 49582 का लक्ष्य

निर्धारित किया गया था जिसमें अबतक 40931 उपलब्धि हासिल कर ली गई है। बताया कि आज बुधवार को 26 आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। बताया गया कि 2 मई से 16 मई तक कालाजार खोज पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसके लिए लगभग लगभग 309 गांवों में जांच शुरू की गई है और अबतक 12 सम्भावित कालाजार प्रभावित रोगी को चिन्हित किया गया है,लेकिन अभी तक एक भी कन्फर्म नही किया गया है। ग्राम स्वास्थ्य स्वछता पोषण समिति के तहत गर्भवती महिलाओं की जांच की जा रही है ताकि उन्हें हर तरह से सुरक्षा प्रदान किया जा सके।मिजिल्स रूबेला संक्रमण रोकथाम के लिए एएनएम और आंगनबाड़ी सेविका,सहायिका तथा समुह की महिलाओं द्वारा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है ताकि 9 माह से 15 वर्ष आयु वर्ग के स्कूली बच्चों एवं अन्य सभी बच्चों का टीकाकरण किया जा सके ।इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के अलावा एमओ आरबीएसके डॉ संजय कुमार,डॉ रमेश उंराव,बीपीएम अनूप कुमार साह, केटीएस अमुप कुमार गुप्ता, मॉनिटर दीपक ज्योति ,सहित बालविकास परियोजना पर्यवेक्षिका एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मुख्य रूप से शामिल थे।

डीसी के तेवर रुख से रेस हुए अधिकारी, अवैध माइनिंग और ओवरलोड पर कसा शिकंजा

डीटीओ ने देर रात छापामारी कर चार ओवरलोड बालू ट्रक को किया जप्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । डीसी वरुण रंजन द्वारा अचानक कड़ा रुख अपनाए जाने के बाद जिलेभर में अवैध माइनिंग से लेकर ओवरलोड ट्रांसपोटिंग का कारोबार पर अचानक ब्रेक लग गई है। पत्थर से लेकर बालू और कोयले का काला कारोबार जिले में गुपचुप तरीके से चलता आ रहा था लेकिन सोमवार को जिला टास्क फोर्स की बैठक में जिले भर सीओ से लेकर थानेदार को अवैध खनन और परिवहन के कारोबार में अधिकारियों के संलिप्त होने की बात सामने आने पर सीधे अब अधिकारियों पर ही कार्रवाई करने का फरमान जारी करने पर सभी थानेदार से लेकर सीओ और खनन, परिवहन विभाग के अधिकारी हरकत में आ गए हैं। डीटीओ संतोष कुमार गर्ग लगातार दो दिनों से ओवरलोड ट्रक के विरुद्ध छापेमारी अभियान देर रात तक चलाकर लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा में पांच बालू और ट्रक से लदी ईट को जप्त किया है। उधर महेशपुर और अमड़ापाड़ा इलाके में बांसलोई नदी से अवैध बालू के उठाव पर भी पूर्णत रोक लग गई है। पाकुड़ मैं भी अब ओवरलोड पत्थर और गिट्टी से लदी ओवरलोड ट्रकों पर लगाम लगता दिख रहा है। हालांकि यह तेवर अगर डीसी पहले अपनाएं होते तो शायद पाकुड़ में यह कारोबार इतना नहीं पनपता, और यह मामला सुर्खियों में नहीं आता.

● बीजीआर और डीबीएल को भी अंडरलोड कोयला ढुलाई का फरमान

डीसी ने टास्क फोर्स की बैठक में बीजीआर और डीबीएल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक और नॉर्थ कॉल ब्लॉक से कोयले की ढुलाई पाकुड़ रेलवे साइडिंग तक करने के दौरान अंडरलोड करने को कहा है। बीजीआर और डीबीएल प्रबंधक ने डीसी के आदेश पर सभी ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिकों के अंडरलोड कोयला की ढुलाई करने को कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि अंडरलोड के दौरान अमड़ापाड़ा से लेकर पाकुड़ तक धड़ल्ले से कोयला डंपर से उतारने और चोरी का कार्य वर्षों से चलता रहा है। जिला प्रशासन के प्रयास के बावजूद भी प्रबंधन और प्रशासन कोयला चोरी पर रोक लगाने मैं नाकाम रही। हालांकि इसके आड़ में कई लोग कोयला चोरी का कारोबार ट्रक और ट्रैक्टर के जरिए कर मालामाल हो गए है। हालांकि इस काला कारोबार में पुलिस की भी भूमिका संदिग्ध रही है। लेकिन जिला प्रशासन द्वारा कोयला ढुलाई पर अंडरलोड चलाने का फरमान कितने दिनों तक पालन होता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

संक्षिप्त समाचार

डीटीओ ने चार बालू लोड ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया बड़ा पुल के पास जिला परिवहन पदाधिकारी ने चार बालू लोड ट्रक को गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ कर थाने को सुपुर्द कर दिया है। डीटीओ संतोष कुमार गर्ग ने डब्ल्यूबी 57ओ 1587, जेएच 04 एक्स 9079, जेएच 18 एच 3829 एवं बीआर 10 जीबी 2027 नंबर के ट्रक अवैध रूप से दुमका से साहिबगंज की ओर जा रहा था इसी दौरान सुबह 4:00 बजे डीटीओ ने बरमसिया गांव के पास पुल के समीप पकड़ा। इस संबंध में सभी चालकों से बालू का माइनिंग चालान की मांग किया गया तो चालकों के द्वारा चालान नहीं दिखाया गया नहीं कोई कागजात भी दिखा गया। सभी ट्रक को जप्त कर पुलिस के हवाले आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए किया गया।

आग लगने से घर सहित हजारों के संपत्ति जलकर हुआ राख

हिरणपुर(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जबरदाहा फुटबॉल मैदान के बगल में आग लगने से घर सहित हजारों के संपत्ति जलकर हुआ राख। पीड़िता माधुरी ढोली के अनुसार पीएम आवास से घर बना था, जिस पर एडवस्टर का छावनी था में खाना बनाते समय अचानक आग लग गया जिससे घर सहित पंखा चौकी वह घर में रखे कुछ नगदी सहित जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही जबरदाहा पंचायत के राजस्व कर्मचारी और मुखिया घटनास्थल पहुंचकर क्षतिपूर्ति का आकलन किया।

कुरकुरे लदा मिनी ट्रक पलटा

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । थाना क्षेत्र के साहेबगंज गोबिंदपुर एक्सप्रेस हाईवे सोनधानी गांव के समीप बुधवार को तेजरफ्तार कुरकुरे लदा मिनी ट्रक पलट गया. हालांकि घटना में किसी का हताहत होने की सूचना नही है. जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या जेएच 09 बीए 3091 दुमका से कुरकरे लोड कर बरहेट की ओर जा रही थी. की सोनधानी गांव के समीप मिनी ट्रक का संतुलन बिगड़ने से सड़क पर ही पलट गया. घटना में चालक व उपचालक को किसी प्रकार का चोट नही आया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच जेसीबी की मदद से वाहन को उठाया गया।

उषा देवी सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय बैठक, योजनाओं पर विचार विमर्श किया

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । उषा देवी सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय पाकुड़िया में साहिबगंज विभाग के प्रधानाचार्य की बैठक संपन्न हुई। बैठक में साहिबगंज एवं पाकुड़ जिला के सभी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सम्मिलित हुए। इससे पूर्व साहिबगंज विभाग के सह विभाग प्रमुख रमेश कुमार प्रबंध समिति के सचिव भुवनेश्वर ओझा, अध्यक्ष अमर भगत, कोषाध्यक्ष सुबोध भगत, उपाध्यक्ष तारक साव एवं प्रधानाचार्य नीरज कुमार तिवारी ने मिलकर सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के फोटो में पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन एवं आरती वंदना किया गया।
तत्पश्चात परिचय के बाद विभाग प्रमुख ने अपने संबोधन में प्रधानाचार्य को बैठक का मुख्य उद्देश बताते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाओं पर विचार विमर्श करना है एवं नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों के पठन-पाठन का योजना बनाने के साथ ही साथ इसे क्रियान्वित भी करना है। बैठक को संपन्न कराने के लिए उषा देवी सरस्वती शिशु मंदिर पाकुड़िया के सभी आचार्य एवं दीदियों ने अहम भूमिका निभाई।

मोहनपुर थाना अंतर्गत योगिया गांव के एक कुंआ से बच्ची का शव बरामद

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

देवघर । मोहनपुर थाना अंतर्गत सुअरदेही पंचायत के योगिया गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।गांव स्थित एक कुंआ से एक बच्ची का शव बरामद किया गया है।मामले की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्र में खलबली मच गई है।वहीं मोहनपुर थाना द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेजा गया।इस तरह की घटना मोहनपुर थाना क्षेत्र से आए दिन ज्यादा देखने को मिल रहा है।वहीं लोगों की मानें तो इस क्षेत्र के बहुत से मामला का उद्भेदन नहीं पता है विते दिनों जयपुर मोड़ के समीप एक कुएं से एक बच्ची का शव बरामद किया गया था जिसमें आज तक किसी की गिरफ्तारी तक नहीं हो पाया और कांड कैसे दब गया कहा नहीं जा सकता है? क्षेत्र के गरीब परिवार को न्याय नहीं मिला और अपराधियों का मन बढ़ता ही जा रहा है और अपराधियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। लगातार अपराधी घटना को अंजाम दे रहे हैं और उन पर किसी की कोई

● थाना क्षेत्र अंतर्गत अपराधी लगातार इस प्रकार की घटना को दे रहें हैं अंजाम

गिरफ्त नहीं है नतीज़ा है ऐसी घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। गरीब परिवार को ही अपराधी अपना शिकार बनाते रहे हैं।बताते चलें कि योगिया गांव साइबर ठगी का हब भी बनते जा रहा है।।इस कारण आसपास के अपराधियों का मन बड़ा हुआ है जोगिया में कई बार साईबर ठगी पर छापेमारी भी हुआ है कीन्तु सूचना के अनुसार आज तक किसी को सजा भी नहीं हो पाया।

बसंतपुर गाँव के पीसीसी पथ से खागाचुंआ ग्राम तक सड़क हुई जर्जर

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया से 10 किलोमीटर दूर बसंतपुर पंचायत के बसंतपुर ग्राम के पीसीसी रोड से खागाचुंआ पीसीसी पथ तक वर्षों पूर्व निर्मित पक्की सड़क पूर्णतः जीर्ण शीर्ण हो घटना का खुलेआम निमंत्रण दे रहा है। उक्त पक्की सड़क पर गड्ढे उभरने एवम स्टोन मेटल विखरने के कारण,रोड पर वाहन से दो पहिया वाहन, यहां तक की नंगे पांव चलना भी ग्रामीणों के लिए पूरा जोखिम भरा हो चुका है। समाचार संकलन के दौरान पथ के निकट मवेशी चरा रहे लोगों ने पूछने पर बताया कि यह रोड पूर्णतः खराब हो चुका है। विशेष कर मुर्गाडांगा तथा खागाचुंआ ग्राम के पीसीसी रोड तक सड़क की स्थिति सोचनीय हो चुकी है। उन्होंने कहा अभी भी ग्रामीण महिलाएं बिना चप्पल के ही आती जाती हैं लेकिन पथ पर विखरा पत्थर गिट्टी से पाव छिल जाने से चलना भी काफी मुश्किल हो गया है। पाकुड़िया प्रखण्ड के ग्रामीण इलाकों में रोड नव निर्माण तथा जीर्ण शीर्ण पथों की मरम्मती तो कभी कभी होती रही है पर प्रखण्ड के बसंतपुर, तेगुड़िया, पलासी, चांदना रोड सहित कई अन्य ग्रामीण पथ और उसके आस पास रहनेवाले ग्रामीण आज भी बेसब्री से इन महत्वपूर्ण सड़कों के नव निर्माण की बाट जोह रहे हैं।

विश्व रेड क्रॉस दिवस में चाँदनी, सौम्य सौर्य एवं कुमार शाम्भव अव्वल

देवघर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। स्थानीय साइंस एंड मैथेमेटिक्स डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन के बैनर तले साप्ताहिक विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित चित्रांकन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें पूरे देश से सैकड़ों विद्यार्थियों ने अपनी अपनी भागीदारी निभाई। आज देवघर व दुमका जिला का परिणाम की घोषणा की गई। ग्रुप सी चित्रांकन प्रतियोगिता में देवघर जिला में मातृ मंदिर बालिका उच्च विद्यालय की चाँदनी कुमारी व शुभ नंदनी कुमारी को क्रमशः प्रथम व तृतीय स्थान जबकि मधुपुर की रुकसाना खातून को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी ग्रुप में दुमका जिला में रौनक, सुजीत, प्रियंका ने बाजी मारी जबकि सौम्य सौर्य व अन्य कुछ विद्यार्थियों को सराहनीय स्थान प्राप्त हुआ। विश्व रेड क्रॉस दिवस, शीर्षक निबंध प्रतियोगिता के ग्रुप बी में देवघर जिला से मधुपुर की स्मृति प्रिया को प्रथम, गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल के कुमार शाम्भव रघुवीर को द्वितीय जबकि जसीडीह के नकुल प्रसाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। ग्रुप सी में इसी प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट स्कूल के सौम्य सौर्य को प्रथम, अन्य शिक्षण संस्थानों के सुधीर रंजन व प्रीतम कुमार को क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजयी प्रतिभागियों को 13 मई को साइंस ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जय चन्द्र राज, राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, साइंस फॉर सोसाइटी, देवघर के अध्यक्ष प्रो. रामनन्दन सिंह एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, देवघर के वाईस चेयरमैन पीयूष जायसवाल के करकमलों से संत माईकल एंग्लो विद्यालय, ऑफिसर्स कॉलोनी में पुरस्कृत किया जाएगा।

हनुमान मंदिर में महाआरती कार्यक्रम का हुआ आयोजन, विधायक के विवादित बयान का किया विरोध

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

फतेहपुर । विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की ओर से जामताड़ा जिला के सभी हनुमान मंदिरों में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया! इसी क्रम में फतेहपुर बस पड़ाव स्थित बजरंगबली मंदिर में महाआरती कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने भाग लिया! इस दौरान गठबंधन सरकार के जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी के द्वारा बजरंग दल को बैन करने को लेकर

दिया गया विवादित बयान को लेकर समाजसेवी मनोज गोस्वामी ने कहा बजरंग दल अखंड भारत का अभिन्न अंग है और बजरंग दल को लेकर विवादित बयान को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा! इस तरह के बेतुकी बयान देने वाले विधायक को आने वाले समय में बजरंग दल के युवा साथी करारा जवाब देगी, उन्होंने विधायक के विवादित बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विधायक इरफान अंसारी का दिमाग का बेहतर इलाज की जरूरत है! वह हर समय अनाप-शनाप बयानबाजी करते रहते हैं और यह एक विधायक के लिए अशोभनीय कार्य है! उक्त कार्यक्रम में समाज सेवी मनोज गोस्वामी, अरविंद मंडल, संजय यादव, गुरु पद पंडित, कार्तिक पंडित, पूर्ण चंद्र पंडित, विष्णु कांत पंडित, सचिन पंडित, प्रवीण पंडित, गणेश सिंह, वरुण महतो, राजकुमार मंडल, कुलदीप पंडित, भरत पंडित, जिया राणा, गौतम सिंह, महेश्वर पंडित, भुवन पंडित, संजीत मंडल, रामप्रसाद पंडित, अशोक पंडित, अर्जुन सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में विहिप तथा बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

कुकड़ू : जंगली हाथियों के बढ़ते अत्याचार से ग्रामीणों में दहशत

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

नीमडीह । सराइकेला खरसावां जिला के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कुकड़ू, निमडीह प्रखंड के बंगाल सीमावर्ती इलाकों के जंगल में जंगली हाथियों झुंड डेरा जमाए हुए हैं। शाम ढलते ही जंगल आस पास के गांव में पूरा झुंड घुसकर आतंक मचाने में किसी तरह का असर नहीं छोड़ रहे हे। पिछले कोई सालो से वन विभाग जंगली हाथियों को ग्रामीण इलाकों से भगाने तथा ग्रामीणों को जंगली हाथियों से सुरक्षा देने विफल होते आ रहे हे। आज तक विभाग सशक्त नहीं हो पाए हे, दरसल घटना बुधवार के अहले सुबह को कुकड़ू प्रखंड के पारगामा पंचायत के काड़का निवासी विजय सिंह के करीब दो बीघे खेत में लगे विभिन्न तरह के सब्जियों को जैसे कुम्हड़ा,बैगन,भिंडी आदि को पूरी तरह से चटकर निकल गए,साथ ही फसल इस कदर बरवाद हुआ की उसमे दोहरे मेहनत किसी काम का नहीं। विभाग कहते हे बेजुवान जानवर पर क्या ही कर सकते हे,जिस किसान का जंगली हाथियों द्वारा क्षति पहुंचाए जाते उन्हे मुआवजा सरकार की ओर से दिया जायेगा, मुआवजा दूर की बात विभाग किसानों के क्षति का सुधि तक लेने नही पहुंचते। किसान विजय सिंह ने कहा क्षति का मुआवजा जल्द से जल्द मिले।

जय गुरु स्टोन वर्क्स के मालिक पर केस दर्ज

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर(पाकुड़)। बीते सोमवार को हिरणपुर थाना क्षेत्र के मानसिंहपुर मौजा में स्थित पत्थर खदान में विस्फोट के कारण दो मजदूर घायल होने के मामले में चौकीदार के लिखित शिकायत पर जय गुरु स्टोन वर्क्स के मालिक के विरोध केस दर्ज किया गया है। क्षेत्र के स्थानीय चौकीदार फुन्नु माल के के लिखित शिकायत पर हिरणपुर थाना कांड संख्या 51/23 धारा 286/ 337/ 338 भादवि के तहत हिरणपुर थाना में जय गुरु स्टोन वर्क्स के मालिक जियाउल सेख के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इधर घटना के बाबत पुलिस कई बिंदुओं पर गहन छानबीन शुरू कर दी है, एफआईआर में लगे धारा भी अवैध विस्फोट और असुरक्षित प्रयोग कर दूसरे के व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य करने के तहत दर्ज है। वैसे भी पत्थर खदानों

में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर खदान मालिक अधिकतर सक्रिय नहीं दिखते हैं। मजदूरों की सेफ्टी के लिए हेलमेट तथा दूसरी सामग्री तक उपलब्ध नहीं होना उक्त घटना तो दर्शाता ही है, वहीं अगर विस्फोट सुरक्षित करना भी था तो नियमानुसार खदान मालिक ने नहीं किया।जानकार बताते हैं विस्फोट का नियम मैगजीन सुबह 6:00 बजे के बाद निकल जाने तथा 6 बजे से पहले फिर मैगजीन वापस स्टोर कर देने का नियम है। लेकिन यहां इसका विपरीत ही हुआ। एक तो पहले ही सही खदान में विस्फोटक रख देना उसी में लापरवाही के तहत मजदूरों से काम लेना यानी दूसरों की व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला काम खदान मालिक ने किया है। हालांकि सूत्र बताते हैं मामले की गंभीरता को देखते हुए डीजीएमएस की टीम भी जल्द पत्थर खदान की जांच करेगी क्योंकि आखिर जब मैगजीन हाउस नहीं रहने के बाद भी अहले सुबह कैसे खदान तक विस्फोटक पहुंची? कौन लोग विस्फोटक पहुंचा? बहरहाल हिरणपुर प्रखंड के अधिकांश खदानों में भी लापरवाही और अवैध मैगजीन के साथ-साथ विस्फोट की चर्चा ही नहीं देखने को भी मिलता है, जहां तक अवैध मैगजीन की बात करें तो पुर्व में कई बार पुलिस के द्वारा अवैध मैगजीन के जखीरा को जप्त किया गया है और कई लोग पूर्व में गिरफ्तार भी हुए थे, लेकिन अवैध माइनिंग के धंधा में यह कार्रवाई भी कम ही साबित हो रहा है, फिलहाल अब देखना होगा इस मामले में क्या करवाई होती है।

केंद्र सरकार ने पांच किलो अनाज पर भारत को आत्मनिर्भर बना दिया: सुभाष यादव

बरकट्ठा में विधानसभा स्तरीय राजद कार्यकर्ता मिलन समारोह संपन्न

आगामी विधानसभा चुनाव में राजद बरकट्ठा से अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगी:असमत अली

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बरकट्ठा । केंद्र सरकार आत्मनिर्भर भारत बनाने के बजाय लोंगो को पांच किलो अनाज पर आत्मनिर्भर बना दिया। उक्त बातें राजद के नेता और चतरा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव ने बरकट्ठा के बनवारी स्थित केनरिया टांड में आयोजित बरकट्ठा विस राजद कार्यकर्ता मिलन समारोह में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार अनाज देकर लोंगो के हांथो में हथकड़ी लगाकर आर्थिक विषमता ला रही है। केंद्र में मोदी सरकार केवल संप्रदाय वाद कर लोंगो को उलझा कर वोट ले रही है। राजद गरीबों, मजलुमो के हक की लड़ाई लड़ती है। राजद आर्थिक विषमता और शिक्षा में समानता के साथ लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है।उन्होंने कहा 2024 कि चुनाव नही बल्कि राजद चुनौती के रूप में ले रही है।राजद पार्टी गरीब गरबा ,दबे कुचले और सामाजिक समरसता की आवाज है।समारोह का संचालन राजद प्रखण्ड अध्यक्ष सह वरिष्ठ राजद नेता असमत अली ने की।कहा कि बरकट्ठा विधानसभा में राजद के जनाधार है।2024 में बरकट्ठा विधानसभा से राजद पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी। वहीं कोडरमा लोकसभा सीट से भी राजद पार्टी से सुभाष यादव जनता के बीच आएंगे।इस अवसर पर युवा राजद के प्रदेश सचिव प्रदीप यादव, असमत अंसारी, मुमताज खान, अयूब खान, राजकुमार यादव, रमेश चंद्र यादव, शिवशंकर वर्णवाल, शत्रुघ्न राम, जैनुल, पप्पू रजक, मुन्ना मोदी, बिनय सिंह, गजानंद मोदी, सोनू खान, विजय चौधरी, सिकंदर यादव समेत कई वक्ताओं ने अपने विचारों को रखा। समारोह का संचालन राजद प्रखंड अध्यक्ष मो असमत अंसारी ने किया। कार्यकर्ता मिलन समारोह में जयनगर, बरकट्ठा, इचाक, चलकुशा प्रखंड के कार्यकर्ता शामिल थे।

विधायक की पहल पर लगभग एक करोड़ सत्तर लाख की लागत से बड़कागांव में डीएमएफटी से होंगे विभिन्न कार्य

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव। विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा लगातार की जा रही पहल एवं विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर विकास कार्य को धरातल पर उतारने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में डीएमएफटी मद द्वारा बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन होना है। जिसके लिए डीएमएफटी के प्रबंधक के समिति के द्वारा विधायक अंबा प्रसाद की पहल पर लगभग एक करोड़ सत्तर लाख की योजना की स्वीकृति प्रदान की है।

इस अवसर पर विधायक अंबा प्रसाद के कार्यालय से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन डीएमएफटी से किया जाएगा। अधिक से अधिक योजनाओं की स्वीकृति प्रदान हो तथा विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जा सके इसके लिए लगातार संबंधित अधिकारियों व विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर अनुशंसा पत्र एवं जिला स्तरीय बैठकों को मामले में उठाते रही हूँ जिसके बाद लगभग ढाई करोड़ की लागत से कई योजनाओं का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के नयाटांड़ पंचायत अंतर्गत किरी मोड़ से सती स्कूल तक सड़क का निर्माण लगभग 1 करोड़ 15 लाख की लागत से होगा। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, उरीमारी के चहारदीवारी का निर्माण समेत विभिन्न निर्माण कार्य लगभग 55 लाख की लागत से होगा। आराहारा नदी के पार सोनबरसा हरिजन टोला,पोटंगा पाहन टोला, सोहदी, उरेज, चानो, लुरूंगा पिछड़ी टोला, इस्को में चापानल बनाया जाएगा।

4 उत्कृष्ट विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 6 से 9 व 11 में नामांकन प्रारंभ

गिरिडीह। राज्य सरकार के सतत प्रयास के तहत सरकारी विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत गिरिडीह जिले के 04 विद्यालयों को उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता दी गयी है। राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त कर विद्यालय का संचालन अंग्रेजी माध्यम से प्रारंभ किया जा रहा है। संबंधित विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी। सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड राँची के आलोक में गिरिडीह जिले में संचालित सभी चारों उत्कृष्ट विद्यालयो में उत्क्रमित +2 सर जेसी बोस बालिका उच्च विद्यालय, गिरिडीह, उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय पचम्बा, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, गिरिडीह एवं मॉडल विद्यालय डुमरी में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 में नामांकन होना है। जहां बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि आवेदन जमा करने की तिथि 15 मई निर्धारित है। साथ ही चयन परीक्षा की तिथि 19 मई, फर्स्ट मैरिट लिस्ट का प्रकाशन 22 मई तथा नामांकन लेने की तिथि 23 मई से 8 जून तक निर्धारित किया गया है। आवेदन संबंधित उत्कृष्ट विद्यालय से प्राप्त एवं जेईपी झारखंड गोव इन ऑनलाइन पर डाउनलोड किया जा सकता है। वहीं बताया गया कि आवेदन पत्र निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जान जोखिम में डाल कर आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ते हैं बच्चे, विभाग के प्रति लोगों में आक्रोश

- **कक्षा चलने तक अभिभावक बाहर बैठ करते हैं प्रतीक्षा**

गिरिडीह। सदर प्रखंड अंतर्गत बक्सीडीह पंचायत के बेड़ा में समेकित बाल विकास सेवाएं के द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 91 का भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है. यहां के बच्चे अपनी जान

जोखिम में डालकर पढ़ाई करते हैं। बताया जाता है कि स्थिति यह हो गई है कि जिस कमरे में बच्चे पढ़ाई करते हैं और जहां बच्चों का भोजन बनाया जाता है वे कमरे पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं और जगह-जगह से दीवारें फट गई है. केंद्र में बरसात के समय छतों से पानी गिरने लगता है. पिछले चार-पांच वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति यही है. यहा की सेविका इस संबंध में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी से कई बार मिल चुकी है और उन्हें पूरे मामले से अवगत करा चुकी है,लेकिन इसके बावजूद इस आंगनबाड़ी केंद्र के प्रति न तो विभाग का ध्यान जा रहा है और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों का, स्थिति यह हो गयी है कि आने वाले दिनों में यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है. इस बाबत आंगनबाड़ी केंद्र बेड़ा क्रम संख्या 91 की सेविका चंपा देवी ने बताया कि यह आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और यहां उन्हें बच्चों को बैठाने तक में डर लगता है. बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र तो आते हैं लेकिन उसके साथ उनके अभिभावक भी साथ में आते हैं और केंद्र के बाहर बैठे रहते हैं, ताकि कभी कोई बड़ा हादसा न हो जाए. उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में 25 बच्चे हैं लेकिन हर दिन मात्र 5 से 10 बच्चे ही केंद्र पहुंचते हैं उनके साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहते हैं. बताया कि बच्चों के नहीं आने का मुख्य कारण जर्जर भवन है, ग्रामीणों को डर लगता है इस आंगनबाड़ी केंद्र में भेजने से।उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार विभागीय पदाधिकारियों को सूचना दी गई है। लेकिन विभाग इसके प्रति ध्यान नहीं देता है और न ही गंभीर है. लिहाजा उन्हें भी बच्चों को केंद्र में बुलाने में डर लगता है. इधर इस मामले को लेकर स्थानीय वार्ड पार्षद रामचंद्र दास ने बताया कि उनके संज्ञान में भी यह मामला आया है और उन्होंने भी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को इसके मरम्मत के लिए सूचना दी है. लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. उन्होंने कहा कि जल्द ही डीसी से मिलकर एक आवेदन सौंपा जाएगा और आंगनबाड़ी केंद्र को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की जाएगी.

सीवी एरिया : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन से क्षुब्ध कोलियरी के नेताओं ने विधायक ढुलू महतो के नेतृत्व में एटक ज्वाइन किया

निरसा। झामुमो से संबद्ध झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन से क्षुब्ध बीसीसीएल सीवी एरिया बारह के यूनियन नेताओं ने विधायक ढुलू महतो, विधायक सीता सोरेन, एटक के सेंट्रल कमेटी अध्यक्ष सत्रुघ्न महतो के नेतृत्व में एक्टू के यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन (एटक) ज्वाइन कर लिया है। कहा कि वे झामुमो में रहेंगे लेकिन

यूनियन में उन्हें उपेक्षा किए जाने के कारण एक्टू को सीवी एरिया में स्थापित किया गया है। कहा कि पार्टी के साथ यूनियन में भी गुटबाजी देखा जा रहा है। झामुमो के बरिष्ठ नेता बोदीलाल हांसदा ने कहा कि वर्ष 1995 से सीवी एरिया में झामुमो के ट्रेड यूनियन को स्थापित किया गया। नौकरी, ईऑक्शन, हैंड लोडिंग, सेफ्टी को लेकर डीजीएमएस से बड़ी लड़ाई लड़ी गई। सभी में कामयाबी मिली लेकिन सीवी एरिया में यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर नयी कमेटी गठन कर दिया गया है। यूनियन को अब अस्तित्व विहीन कर दिया गया है। कहा कि संगठित और असंगठित मजदूरों की हितों की रक्षा के यह पहल जरुरी था। पार्टी के बरिष्ठ नेता बोदीलाल हांसदा के नेतृत्व में सीवी एरिया में क्षेत्रीय स्तर पर यूनियन का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष बाबन मित्रा, कार्यकारी अध्यक्ष विजय सोरेन, उपाध्यक्ष विशू गोराई, सपन राय, रोबिन पाल, सचिव बाबूजान मरांडी, संयुक्त सचिव दिलीप महतो, संगठन सचिव प्रकाश हांसदा, कोषाध्यक्ष निर्मल महतो, कार्यकारिणी सदस्य में सुखलाल मांझी, रविनाथ मांझी, अर्जुन मांझी, सुजीलाल मुर्मू, आनंद हांसदा, सुखदेव हांसदा, साहेबलाल मांझी, भीम मांझी, कालीचरण मुर्मू, हरिपद मांझी, लखिंद्र मुर्मू, लखीराम मांझी, उत्तम गोराई, लखीराम मुर्मू, पार्थसारथी गोराई, गोरांगो गोराई, देवनारायण सोरेन, गणेश गोराई, सिद्दु मुंडा, वीरसिंह मुंडा, वैद्यनाथ कर्मकार शामिल हैं।

11 मई को राज्यपाल करेंगे कई पंचायतों का दौरा लाभुकों से होंगे रूबरू

- **सदर प्रखंड के कई पंचायत भवनों में लाभुक से मिलकर राज्यपाल करेंगे बातचीत**

हजारीबाग/दारू। हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत कई पंचायतों के सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वाले लाभुकों से झारखंड सरकार के राज्यपाल सीबी राधाकृष्णन मिलकर कई महत्वपूर्ण बातें करेंगे। जिसमें प्रधानमंत्री आवास, वृद्धा पेंशन, मननरेगा,

राशन कार्ड, स्कूली शिक्षा बच्चों से एवं सभी लाभुकों से रूबरू होते हुए सरकारी सुविधा का लाभ उठाने के लिए आम जनता एवं लाभुकों से रूबरू होकर झारखंड सरकार के राज्यपाल सीबी राधाकृष्णन 11 मई को सदर प्रखंड के मेरु ,हुटपा एवं नयाखाप पंचायतों का मुआयना करते हुए तीनों पंचायत के पंचायत भवनों में लाभुकों के साथ मिलकर बात करेंगे ।इसकी तैयारी हजारीबाग प्रशासन द्वारा पूर्ण कर ली गई है। वही पूरे प्रशासनिक महकमा जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी विद्या भूषण प्रसाद, सदर अंचल अधिकारी राजेश कुमार ,प्रखंड विकास पदाधिकारी गुंजन सिन्हा ,सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति सहित पूरे सरकारी महकमा जोर शोर से तैयारी पूरा कर ली है ।वही आम जनों में भी राज्यपाल के आने की खबर सुनकर पंचायत के प्रतिनिधियों एवं आम जनता में खुशी की लहर है। इन पंचायत के पंचायत भवन में आकर पंचायत के लाभुकों के साथ रूबरू होकर राज्यपाल के साथ आम जनता को बात करने की मौका मिलेगी। वहीं इसके बाद बीएसएफ कैंप में रूम में दीक्षांत समारोह में भी राज्यपाल मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत करेंगे जिसमें इंस्पेक्टर रैंक के बीएसएफ कर्मियों का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर रानी झांसी ग्राउंड में दीक्षांत समारोह मनाई जाएगी

द्वितीय महा अधिवेशन को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

गोमिया। झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की बैठक बुधवार को गोमिया के आईईएल खेल मैदान में हुई। बैठक की अध्यक्षता अनिता देवी ने किया। 14 मई को जिला के द्वितीय महा अधिवेशन चास के कला एंव सांस्कृतिक भवन में आयोजित की गई है। इस अधिवेशन को सफल बनाने के लिए बोकारो जिला के सभी परियोजना के सेविका, सहायिका एंव संघ के पदाधिकारी लगे हुए हैं। इसी निमित गोमिया में भी आंगनबाड़ी सेविकाओं की बैठक की गई। गोमिया परियोजना से सेविका एवं सहायिकाओं की महा अधिवेशन समारोह भाग लेने के लिए तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। इस संबंध में संघ के प्रदेश संयोजक गंदौरी राम ने बताया कि गोमिया प्रखंड के सभी पंचायतों में एक एक टीम का गठन किया गया है। जो अधिवेशन में सभी सेविका और सहायिकाओं के साथ भाग लेंगे। सम्मेलन में राज्य के बाल विकास समाज कल्याण मंत्री जोबा मांझी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए जो नियमावली बनी है उसमें कुछ त्रुटि रह गई है, उसे भी मंत्री के माध्यम से दुरुस्त करने की मांग रखी जाएगी। आज के इस बैठक में अल्मा एक्का, सीमा देवी, प्रेसी केवट, रंजीता देवी, शांति देवी, गीता देवी, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रामप्रसाद सहित सैकड़ों आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी ली

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। रानीश्वर में वरीय पदाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी अशोक दास ने बुधवार को प्रखंड कार्यालय के कान्फ्रेंस हाल में पंचायत के मुखिया एवं सभी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली।उससे पूर्व श्री दास ने बांसकुली पंचायत के मुड़जोड़ा गांव में मनरेगा के तहत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण कार्य का जायजा लिया ।यहां चार लाख 63 हजार 512 रुपया के लागत पर आंगनबाड़ी भवन का निर्माण हो रहा हैं ।साथ ही उसी गांव में लाभुक शिशिर मंडल का एक लाख 72 हजार 600 के लागत पर डोभा निर्माण एवं अंगद सोरेन का चार लाख 86 हजार 487 के लागत पर सिंचाई कूप निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रितिलता मुर्मू रोजगार सेवक गोबिन्द माझी मौजूद थे ।

जन सेवकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से पंचायत सचिवों को दिया गया रिक्त हुए पंचायतों का अतिरिक्त प्रभार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। शिकारीपाड़ा में मंगलवार से जन सेवकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारण प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विभिन्न पंचायत सचिवों को पंचायत का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है,ताकि पंचायतों का कार्य सुचारू रूप से चल सके। प्रखंडविकास पदाधिकारी ने अपने कार्यालय आदेश के ज्ञापांक 690 दिनांक 9 मई 2023 द्वारा आदेश जारी करते हुए बरमसिया पंचायत में पदस्थापित नमिता हेंब्रम को ढाका, मोहल पहाड़ी पंचायत में पदस्थापित नूतन रेखा कुमारी को शिकारीपाड़ा, सुतला में पदस्थापित अविनाश मुर्मू को सोनाढाव पंचायत,पोरेश कुमार रजक को चित्रा गढ़िया पंचायत के साथ-साथ मलूटी एवं झुनकी पंचायत, मोड़ाआम पंचायत सचिव सगीर अंसारी को चित्रागढ़िया एवं सरस डगाल पंचायत के कालिदास किस्कु को जामू गढ़िया के अतिरिक्त सीमानीजोर एवं पलासी, खाडू कदमा पंचायत सचिव रतन चंद्रपाल को हीरापूर एवं बाकीजोर तथा कुश पहाड़ी पंचायत सचिव गौतम कुमार को शहरपुर एवं बाकीजोर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दिया है। तीन पंचायत सचिवों को एक एक पंचायतों का अतिरिक्त प्रभार तथा पांच पंचायत सचिवों को दो दो पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मासस कार्यालय में रवींद्र जयंती पर रंगारंग कार्यक्रम

निरसा। डुमरकुंडा स्थित मासस कार्यालय में मंगलवार की रात को रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई गई। उनके तसवीर पर पुष्प अर्पित की गई। इस दौरान बच्चों ने गीत एवं संगीत प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों से कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर को पढ़िए और उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़िए। मौके पर संतु चटर्जी, कल्याण राय, अमरीश चक्रवर्ती, संजय राय, विश्वनाथ मुखर्जी, शुभाशीष चटर्जी, शुभाशीष चटर्जी, पप्पू बाउरी, मिलन बाउरी, नंदू हजाम, राणा चक्रवर्ती, प्रणय गुप्ता, रबीन्द्र मल्लिक, चैताली गुप्त, मिताली गुप्त आदि थे।

सदर विधायक के द्वारा जुगरा में नए जोड़ो को भेंट किया गया लहंगा

बडकागांव प्रखंड के चेपाकला पंचायत के ग्राम जुगरा जो की सदर विधायक मनीष जायसवाल का पैत्रिक गाँव भी हे जिन्होंने दिलेश्वर राम की पुत्री सह पंचायत समिति सदस्य कृष्णा राम की भतीजी को तथा दोनों पुत्रियां सिन्धु कुमारी एव संध्या कुमारी को लहंगा देकर उन्हें शादी की सुभकामनाये दिए और उनके मांगलिक जीवन की कामना किये। मौके पर मुख्य रूप से सदर विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार साहू ,कटकमदाग विधायक कार्यालय प्रभारी अभिषेक कुमार यादव ,पंसस कृष्णा राम ,पूर्व पंसस सरिता देवी, दिलेश्वर राम व अन्य लोग उपस्थित थे ।

दीनमठ सारथी ट्रस्ट ने टीवी को लेकर लोगों को किया जागरूक

हज़ारीबाग। बिष्णुगढ़ प्रखण्ड के हेठली मुरगाओं में टीवी के लक्षण एवं उपचार के लिए सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं के बारे लोगों को जागरूक किया गया। दीनमठ सारथी ट्रस्ट के ने कहा कि सरकार के द्वारा टीबी की जांच एवं उपचार निशुल्क है। सरकार की इस टीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बन कर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लें। चिकित्सा प्रभारी डॉक्ट्र अरुण कुमार सिंह का लक्ष्य है कि प्रखंड को टीबी मुक्त बनाना है। इसी लक्ष्य के लिए संस्था के द्वारा टीबी उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही जांच कराने दवाई दिलाने में भी हर संभव मदद सरकार के साथ संस्था भी करेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीनमठ सारथी ट्रस्ट के महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही, राजिया खातून, सलमा खातून, कौशल्या देवी, दीपक तिवारी, मुस्तफा अंसारी, अयसा खातून, फाजना खातून, हाजरा खातून सहीदम खातून, स्कूली बच्चे समेत अन्य ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

दहेज लोभी हत्या के दोषी करार, 15 मई को होगी सजा पर सुनवाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय अनिल कुमार ने दहेज हत्या एवं हत्या के मामले में बेरमो थाना अंतर्गत घुटियाटांड करगली कॉलोनी निवासी रितेश कुमार ठाकुर, पारस ठाकुर, इंदु देवी एवं राहुल ठाकुर को दोषी पाया । मालूम हो कि बिहार के औरंगाबाद जिला के रिसियप थाना अंतर्गत सनथुआ निवासी अनिल कुमार प्रभाकर ने 25 जनवरी 2019 को बेरमो थाना प्रभारी के समक्ष बयान दर्ज कराया कि उसकी बेटी अर्चना कुमारी उर्फ माला की शादी 19 अप्रैल 2016 को रितेश कुमार ठाकुर के साथ हुई थी । शादी के कुछ दिनों के बाद से ही सूचक अनिल कुमार प्रभाकर की बेटी अर्चना कुमारी के साथ उसके पति रितेश कुमार ठाकुर, ससुर पारस ठाकुर, सास इंदु देवी और देवर राहुल ठाकुर सहित ससुराल के लोग दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे । उनको कहते थे की शादी में दहेज बहुत कम मिला है, एक स्विफ्ट कार मांग कर लाओ वरना तुम्हें नहीं रहने देंगे । समझाने बुझाने के बाद भी नहीं मानते थे सूचक के द्वारा अर्चना कुमारी को अपने घर औरंगाबाद ले जाया गया । जहां वह लगभग 1 वर्ष तक रही पता उसकी बच्ची हुई । जिसे समझाने बुझाने के बाद सितंबर दो हजार अट्ठारह में फुसरो लाया गया । किन्तु आने के बाद फिर से ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे कहने लगे कि अगर दहेज में कार नहीं मिला तो आप की बेटी अर्चना और नतिनि को जलाकर मार देंगे अगर तुम आओगे तो तुम्हें भी मार देंगे । फिर 25 जनवरी 2019 को सुबह राहुल ठाकुर का फोन आया कि आपकी बेटी एवं नतिनी जल गई है । सूचक के साथ उसके घर के लोग वहां फुसरो पहुंचे तो देखा कि उनकी बेटी अर्चना कुमारी मृत पड़ी है और नातीनी का इलाज बीजीएच बोकारो में चल रहा है । उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी बेटी को उसके ससुराल वालों ने घर में जला कर मार दिया उसकी नतिनी को भी जला दिया । उसके भी बचने की भी कोई संभावना नहीं है। उक्त बयान के आधार पर बेरमो थाना में मामला दर्ज किया गया । इलाज के दौरान सूचक की नतिनी की भी मृत्यु हो गई । आरोप पत्र समर्पित होने के बाद मामला स्थानांतरित होकर जिला जज दितीय श्री अनिल कुमार की अदालत में आया । अदालत में उपलब्ध साक्ष्य और उभय पक्ष के अधिवक्ताओं के बहस सुनने के बाद जिला जज दितीय श्री कुमार ने चारों अभियुक्तों को दहेज हत्या एवं हत्या के मामले में सिद्ध दोषी पाया । सिद्ध दोषी पाने के बाद चारों अभियुक्तों को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू ने बहस किया एवं सूचक के अधिवक्ता उमेश प्रसाद ने बहस में उनका साथ दिया। सजा के बिंदु पर 15 मई को सुनवाई होगी।

The Kerala Story: The Way India Thinks

"If the order of SC can be violated by political motives, then a judicious thinking cannot be something judicious in common people's perspective as they do not know the intricacies of politics and law."

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho desk: Events, small or big, are occasions to gauge the mind of a people or nation. Such occasions occur every day. One of such occasions in India is The Story of Kerala, a film that has sparked controversy and divided India in different camps. The maker of the film has his perspective, but the critiques belonging to political parties, religious groups, organisations and individual citizens derive meanings. The situation emerges as an opportune to gauge Indian mind as reflects in intellectual, legal, political, ideological and individual comments.The core theme of the film is about forced conversion, radicalisation and recruitment of women of Kerala, about 32,000 as per the film, in terror groups of ISISI ruled Syria. The Central Board of Film Certification (CBFC) has passed it giving 'A' certificate. The Supreme Court refused to interfere and did not stay the release. But objections and supports pour in. The CM of Kerala labels it as propaganda of Sangha Parivar with a malign intention of humiliating the state in front of the world. Shashi Tharoor labels 'gross exaggeration' and 'distortion of the Kerala reality'. Muslim and Right Wing activists declare cash award to prove or to disprove the claim made in the film. Criticism is made in Kerala context, but the voices have echoes across the country. Congress, DMK, NCP, TMC criticise the film as a BJP propaganda to peddle lies of its agenda of polarisation. Diverse opinions come from film industry. While some see it in the line criticism against other films some question the figure. The church body in Kerala reacts to the criticism of the film as baseless. Some individuals criticise it as Islamphobic movie, while women attest its truth. A woman from Kasargod has admitted that she was one of the victims of conversionThe story, as makers would make us believe, is about global terrorism and its mechanism of recruiting women for the purpose set in Kerala background. Understandably, it provides an implicit example of the national trend which is generalised in BJP and other likeminded platforms citing data of missing women from the National Crimes Records Bureau (NCRB) across the states. US Department of State Report, 2020 records 66 fighters from Indian origin joining ISIL. There are several cases under the investigation of NIA. In order to create awareness and warn the youths against falling victim to terrorism the BJP not only supports the film, its state governments like Madhya Pradesh and Uttar Pradesh have declared it tax-free. The general theme of the film however reflects interconnection between terrorism and 'love jihad' as a means of recruiting members which has been a national problem. Media, government and various organisations are concerned about the recruited women through marriage in terrorist organisations abroad. These organisations are manned by Islamic groups. The plight of women who join the organisation and later appeal rescue, the agony of family members

and the concern of various social groups are reported time and again in news media. So, the generality in the film is articulated by BJP in its specific context of religion, recruitment, purpose and NCRB data.

The controversy not only reflects opinions in the context, but places the voices under scrutiny in national perspective. The film is alleged by a section of politicians and people, particularly in Kerala, as propaganda against the state and an attempt to criminalise Muslims and create social tension. The state specific allegations surprisingly echo in other states. While the film is not banned in Kerala, by Left Government despite allegations, it is banned in West Bengal. In Tamil Nadu, the ban in Multiplexes and Theatres is state sponsored citing fear, damage of property, and demand from Muslim groups. Producers Guild, however, have strongly objected to this ban. The film thereby lost its essence of projecting terrorism linked social phenomenon in these states, but rather used to spread the message that it is hate propaganda against the Muslims. Obviously, these states used the film to create a divide between Hindus and Muslims under the plea of maintaining social harmony. When the film is projected as Hindu or BJP propaganda against Muslim and banned to appease Muslim so that tension is not created, then what makes the government think that the non-Muslim group will not create tension consequent upon ban? Arguably, it indicates that only Muslims create tension, and the government can manipulate it at its convenience! Besides, it proves that Muslims are one; so when Muslims in Kerala sneeze, the Muslims in other parts will catch cold. In other words, the activities of the governments placed the Muslims of India as a fundamentalist religious group. This is what BJP claims. One can find a truth in it when Muslims either remain silent or support a wrong done by any Muslim or support anything in the name of religion. Are not political leaders fanning the tension between Hindus and Muslims by indulging in stupid propaganda and appeasement of one section?The voice of opposition shows a Muslim tilt whose people are allegedly victims of hate speech. In fact enactment of Hate Speech Law began with a Muslim tilt. Right from the last decade of 19th century, murders of members of Arya Samajis, a Hindu sect by the Muslims were reported because of the formers rational thinking. Hindu hate was so intense that a Muslim person wrote a pamphlet titled Sitaka Chinala to insult Sita of epic Ramayana by depicting her as a prostitute. In response to it a book entitled Rangial Rashul was published by Mahashe Rajpal in 1924 satirising the sexual life of Prophet Mohammad. This publication triggered Muslims' demand for punishment and violence in 1927 leading to his murder, after many attempts, in 1929. During that time there was no law against insult to religion. It was the demand from the Muslims that moved the British Government to enact Hate Speech Law that was subsequently inserted in Section 295(A) of Indian Penal Code. The insult to Hindu goddess Sita was not the cause of enacting the law, but it was Muslim's demand that moved the government into action. In Hate Speech Act a writer's reformist sense, even if it insulted a religion, enjoyed freedom subject to no use of words with deliberate and malicious intention. The phrase 'deliberate and malicious intention' gives stupid politicians shield to interpret a film or writing to satisfy their narrow interests.

This law is the beginning of restricting freedom of speech is at the root of Freedom of Speech and Expressions included in Article 19, Part III of Indian Constitution. This provision is also influenced and shaped by the Constitution of India Bill 1895, and debate in Constituent Assembly.Article 19 guarantees freedom of speech and expressions subject to 'reasonable restriction'. The condition is silent as to whose reasonability, one who speaks or one, who feels insulted at the words, will be considered. The subjectivity inherent in the word 'reasonability' is the crux of manipulated interpretations by different interest groups and cause of ambiguity.

It is to be mentioned that freedom of speech or expressions are used against Hindus in the plea of safeguarding Muslims by vested interests. Any claim by Hindus label them with intolerance tag not only by Muslims, but by many political parties and intellectuals. Obviously, freedom of expression is a matter of interpretations by interested groups that is revealed through the controversy engulfing the Kerala Story.The ban is executed despite Supreme Court's refusal to stay release of the film. If the order of SC can be violated by political motives, then a judicious thinking cannot be something judicious in common people's perspective as they do not know the intricacies of politics and law. The point of criticism about number of cases claimed in the film is ridiculous. If number is a problem, then what is the source of claiming the number is false? What is the correct number when NCRB presents startling figures on the missing of women? What is their reaction and suggestion to arrest such missing cases? This means that people speak because they have to speak; and they should speak in a way that no party takes offence. There are many firebrand speakers on similar occasions from film world and intelligentsia blaming similar contents in different contexts. They are selectively conscious, and unfortunately people give them the place of celebrity despite shallowness in their words. These people instead of showing interest in curing the disease keep scratching the wound because it is on other's body and it gives them desired publicity of ego satisfaction.Politicians often behave like mentally ill persons. They do not know what, how, why, when and whom to speak. In fact educational and environmental background of many stands on their way of right and descent speaking. They speak non-sense because they have no proper understanding of the topic or implications of words, or nothing sensible to say. A recent statement of a NCP leader is really shocking. He demands that the film maker shall be hanged in public for false propaganda. Does not he come under hate speech rule? Or does he have a right to speak anything being a politician? Unfortunately, the words of politicians shape the thinking of the public who are their followers. What type of society they want to build through their leadership?

Figures claimed in the film may be large. But what's about the incidents that have foreign connections? What's about NCRB reports on missing of women? Are these issues crucial or derived mistakes in the film? Everything has a positive and negative side. Will harping on negativity result in any positive gain? Given that an event is propaganda, given that the intensity of a problem is low, should we ignore its future implications? How can an event be taken lightly when it has global connection? Can one deny the practice of recruiting women to terrorist camps outside the country, even if it is a single case? Why should one judge an event or information through the lens of political or religious ideology? Should future of the nation or present stupidity in action guide political interest?These are some of the questions before us which emerge taking clue from the way people think with The Kerala Story as a case to the point. Is it the new trend in India? History tells that people used to think beyond political and territorial divisions. But there were also people who sided or invited enemies for selfish interest. History also tells that some people remained indifferent to happenings or depended on destiny. But more loudly history echoes the result of indifference or siding the enemy or a wrong cause in terms of our long subjugation under Muslim and colonial rulers.

Several voices sparking controversy reflect what some people or organisations think; but they do not think of the implications of such thinking.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com.The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

एक स्कूल ऐसा भी- जहां स्वयं पढ़ते हैं बच्चे और दूसरों को भी पढ़ाते हैं, शिक्षक स्कूल से रहते हैं गायब

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। सदर प्रखंड के बक्सीडीह पंचायत में बेड़ा में एक ऐसा स्कूल संचालित है, जहां समय पर न तो शिक्षक पहुंचते हैं और न ही इस स्कूल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही दिया जाता है। यह पूरा मामला बेड़ा स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय की है।इस विद्यालय की स्थिति इतनी खराब है कि यहां के शिक्षक जब - मन तब विद्यालय पहुंचते हैं और अपने निजी कार्य से बच्चों को भगवान भरोसे छोड़कर नदारद हो जाते हैं।

इसके बाद स्थिति यह हो जाती है कि बच्चे खुद ब्लैक बोर्ड में

लिखकर दूसरे बच्चों को पढ़ाते हैं और खुद भी शिक्षा ग्रहण करते है। स्थानीय ग्रामीणों की भी माने तो यहां 2 शिक्षक एक आशा सिन्हा और एक नीरज सिन्हा का पदस्थापन हुआ है, लेकिन अक्सर दोनों शिक्षक गायब रहते है। किसी दिन शिक्षिका आशा सिन्हा छुट्टी पर रहती है तो किसी दिन शिक्षक नीरज सिन्हा बिना बताए गायब हो जाते है।मंगलवार को भी स्कूल में यही स्थिति देखने को मिली। सुबह करीब 9. 30 बजे स्कूल में बच्चे खुद से पढ़ाई कर रहे थे और कुछ बच्चे कक्षा से बाहर खेल रहे थे।

बच्चों से जब पूछा गया कि आखिर शिक्षक कहां है तो उन्होंने बताया कि मैडम छुट्टी पर है, और एक शिक्षक जिनका नाम नीरज सिन्हा है, वह स्कूल आकर घर चले गए हैं। बच्चों का कहना था कि अक्सर यही स्थिति स्कूल की रहती है।एक महीना से बच्चों को एमडीएम का भोजन भी नसीब नहीं हुआ है और ना ही उन्हें पोषाहार मिलता है।

शिक्षा विभाग के द्वारा एक ओर जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के बड़े - बड़े वादे किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर यह स्थिति देखकर साफ ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस प्रकार से सरकारी स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

इस मामले को लेकर स्थानीय वार्ड पार्षद रामचन्द्र दास ने बताया कि स्कूल में शिक्षक हमेशा गायब रहते है इसकी शिकायत कई बार जिला शिक्षा अधीक्षक से की गई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। कहा कि इस मामले की शिकायत डीसी से की जाएगी और ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जाएगी।

मारपीट को लेकर लगाई न्याय की गुहार

डुमरी। डुमरी थाना क्षेत्र के गानोडीह में नौ मई की सुबह भूमि विवाद में हुए मारपीट को लेकर असलम अंसारी (पिता निजाम अंसारी) ने थाना में आवेदन देकर कहा है कि घटना की सुबह गांव के सनाउल्लाह अंसारी एवं

नियाज अंसारी (दोनों के पिता खलील अंसारी) तथा दोनों की पत्नी एवं भांजा अरशद अंसारी ने नाजायज मजमा लगाकर मेरे घर के सामने गालीगलौज करने लगे। जिसे मना करने हेतु सईद अंसारी (पिता बसारत अंसारी) बाहर निकला तो उपरोक्त लोगों ने लाठी,डंडे, ईंट,पत्थर से मारपीट करने लगा। जिससे सईद के सिर पर गंभीर चोट आई। इसी दौरान बीच बचाव करने हेतु खादीम अंसारी गया तो उसके साथ भी मारपीट करने लगा। जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। जिसका इलाज रेफरल अस्पताल में किया गया।लिखा है कि उपरोक्त सभी व्यक्ति लड़ाकू किस्म के हैं और इसके पूर्व भी लड़ाई झगड़ा हो चुका है,छोटी छोटी बात पर भी वेलोग मारपीट पर उतारू हो जाता है। इसलिए उक्त व्यक्तियों के विरूद्ध उचित कार्रवाई करने की कृपा करें।लिखा है कि दोनों पक्षों के बीच बीते 19-9-22 को थाना में समझौता हो चुका है, लेकिन उपरोक्त लोग समझौता में उल्लेखित बातों को नहीं मानता है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

हरियाणा पुलिस ने तोड़ा नूंह में साइबर ठगों का जाल, 100 करोड़ की ठगी का हुआ खुलासा

देशभर में साइबर ठगी का फैला रखा था मकड़जाल

इन महाठगों के पकड़े जाने से देशभर में साइबर ठगी के 28000 केस हुए ट्रेस

हरियाणा/चंडीगढ़।

हरियाणा पुलिस द्वारा जिला नूंह में साइबर जालसाजों के ठिकानों पर एक साथ की गई रेड के बाद जांच में अब तक देश भर में लगभग 100 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है। ये महाठग फर्जी सिम, आधार कार्ड इत्यादि द्वारा देशभर के लोगों से ठगी करते और फर्जी बनाए बैंक खातों में राशि डलवा देते ताकि पुलिस इन तक ना पहुंच सके। इल जालसाजों द्वारा हरियाणा से राष्ट्रीय राजधानी, दिल्ली और यूपी से लेकर अंडमान निकोबार तक लोगों को निशाना बनाया जा चुका है। इनके पकड़े जाने से देशभर में साइबर ठगी के लगभग 28,000 केस ट्रेस हुए हैं।

नूंह पुलिस अधीक्षक श्री वरूण सिंगला ने आज नूंह में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि 27/28 अप्रैल की मध्यरात्रि को 5000 पुलिसकर्मियों की 102 टीमों ने जिले के 14 गांवों में एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान करीब 125 संदिग्ध हैकर्स को हिरासत में लिया गया था। इनमें से 66 आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। सभी को अदालत में पेशकर 7 से 11 दिन की रिमांड पर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले का पर्दाफाश करने के लिए हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री प्रशांत कुमार अग्रवाल ने इन साइबर अपराधियों से पूछताछ के लिए पूरे हरियाणा से 40 साइबर विशेषज्ञों की एक टीम तैयार की। इस प्रकार साइबर विशेषज्ञों की मदद से पकड़े गए साइबर अपराधियों से निरंतर पूछताछ की गई और साइबर धोखाधड़ी द्वारा अपनाई जा रही कार्यप्रणाली के साथ-साथ फर्जी सिम और बैंक खातों के स्त्रोतों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। छापे के दौरान जब्त किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड की भी तकनीकी रूप से जांच की गई और टीएसपी/आईएसपी, बैंक, एनपीसीआई, यूपीआई इंटरमीडियरीज, यूआईडीएआई, डीओटी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, व्हाट्सएप, ओएलएक्स आदि से संबंधित जानकारी भी मांगी गई।

साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की सहायता से भी इन साइबर ठगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले फर्जी बैंक खातों, सिम, मोबाइल फोन आदि को देश भर में प्राप्त साइबर अपराध की शिकायतों से जोड़ने का अनुरोध किया गया था। इस विश्लेषण के दौरान यह बात सामने आई है कि साइबर ठगों ने अब तक देश भर के 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 28000 भोले-भाले लोगों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया है। पकड़े गए इन साइबर जालसाजों के खिलाफ देशभर में पहले से ही 1346 प्राथमिकी दर्ज होनी पाई गई हैं। ऐसे ठगों की संलिप्तता तय करने के लिए इन साइबर अपराधियों का विवरण राज्यों के संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भेजा जा रहा है।

जांच में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 219 खातों और 140 यूपीआई खातों के बारे में भी जानकारी सामने आई, जिनका इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी करने के लिए किया जा रहा था। ये बैंक खाते मुख्य रूप से ऑनलाइन सक्रिय पाये गये और नौकरी देने के बहाने लोगों को धोखा देकर और फिर आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल नंबर और ऑनलाइन केवाईसी करवाकर ठगी की जा रही थी। इसके अलावा, टेलीकॉम कंपनियों के हरियाणा, पश्चिम बंगाल, असम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, तमिलनाडु, पंजाब, नोर्थ ईस्ट, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक सर्किल से एक्टिवेट 347 सिम कार्ड का भी पता चला है जिनका उपयोग ये ठग साइबर क्राइम के लिए कर रहे थे। जांच के दौरान फर्जी सिम और बैंक खातों का स्त्रोत मुख्य रूप से राजस्थान के भरतपुर जिले से जुड़ा पाया गया है।

उन्होंने बताया कि नूंह जिले में दर्ज 16 मामलों में पकड़े गए साइबर अपराधियों के सह अभियुक्त के रूप में काम करने वाले 250 वांछित साइबर अपराधियों की भी पहचान की गई है, जिनमें से 20 राजस्थान के, 19 उत्तर प्रदेश और 211 हरियाणा के हैं। साइबर अपराधियों, जो 18-35 वर्ष की आयु वर्ग में हैं, ने खुलासा किया है कि वे आम तौर पर 3-4 व्यक्तियों के समूह में काम करते थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि नकली बैंक खाते, नकली सिम कार्ड, मोबाइल फोन, नकद निकासी/वितरण और सोशल मीडिया वेबसाइटों पर विज्ञापन पोस्ट करने जैसी तकनीकी सेवाओं को एक गांव में केवल कुछ मुट्ठी भर व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी राशि का 5 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कमीशन शुल्क लेने के बाद प्रदान की गई थी। साइबर अपराधी नकद निकासी के लिए मुख्य रूप से कॉमन सर्विस सेंटर का इस्तेमाल करते थे, जबकि कुछ अन्य इसके लिए विभिन्न गांवों में स्थापित एटीएम का इस्तेमाल करते थे।

ठगी करने का तरीका

साइबर जालसाजों के ठगी करने के तरीके का विवरण देते हुए श्री वरुण सिंगला ने बताया कि ये महाठग फेसबुक बाजार/ओएलएक्स आदि पर बाइक, कार, मोबाइल फोन इत्यादि जैसे उत्पादों पर आकर्षक ऑफर का लालच देकर धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देते थे। पीड़ित दिए गए मोबाइल नंबर पर जालसाज को कॉल करता और जालसाज कूरियर शुल्क, उत्पाद के परिवहन आदि के बहाने पीड़ित को धोखा देता लेकिन उत्पाद कभी डिलीवर नहीं होता था।

ये जालसाज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुख्य रूप से नटराज पेंसिल की पैकेजिंग से संबंधित वर्क फ्रॉम होम का विज्ञापन पोस्ट करते थे, प्रति माह 30,000 रुपये की कमाई का वादा करते थे और पंजीकरण शुल्क, पैकिंग सामग्री, कूरियर शुल्क आदि के बहाने भोले-भाले लोगों को ठगते थे।

इसी तरह, साइबर जालसाज यूपीआई ऐप्स में रैंडम नंबर सीरीज की जांच करते थे ताकि पीड़ितों के नाम उन नंबरों के मार्फत उन ऐप्स पर दर्ज करवा सकें। जालसाज फिर उन बेखबर पीड़ितों के कुछ दोस्त व रिश्तेदार के रूप में पेश होकर उनसे किसी न किसी बहाने उनकी ओर से भुगतान प्राप्त करने का अनुरोध करता था। फिर वे फर्जी भुगतान संदेश भेजकर धोखाधड़ी करते थे और इससे पहले कि पीड़ित कुछ गलत पाता, पैसे अपने खातों में स्थानांतरित कर लेते थे। इसी तरह पुराने सिक्के खरीदने के बहाने भोले-भाले लोगों से बड़ी रकम ठगी गई।

साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर्षक प्रोफाइल बनाकर सेक्सटोरशन के माध्यम से पीड़ितों को ठगते थे। पीड़ितों को वीडियो चैट पर आने का लालच देते, जहां वे पीड़ितों की आपत्तिजनक स्थिति में स्क्रीन रिकॉर्डिंग करते थे और फिर उनसे बड़ी रकम वसूलते थे।

एसपी ने बताया कि साइबर अपराध की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री प्रशांत कुमार अग्रवाल द्वारा 102 पुलिस टीमों का गठन कर पूरी ताकत के साथ 320 टारगेटेड लोकेशन पर एक साथ रेड की गई थी। जिसमें 166 फर्जी आधार कार्ड, 5 पैन कार्ड, 128 एटीएम कार्ड, 66 मोबाइल फोन, 99 सिम, 5 पीओएस मशीन, 3 लैपटोप इत्यादि बरामद कर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

पुलिस इस ऑपरेशन में गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधियों द्वारा प्रदान किए गए कई सुरागों पर काम कर रही है और कई राज्यों में फैले अपराधियों को पकड़ने के लिए और छापेमारी जारी है, जो तब से अपने गांवों से फरार हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा को मिलेगी 46 स्वास्थ्य संस्थानों की सौगात, सी एम मनोहर लाल कल करेंगे वर्चुअल उद्घाटन

हरियाणा/चंडीगढ़,। हरियाणा की मनोहर सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है. सूबे की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए सरकार कई बड़े कदम उठा रही है. इसी कड़ी में कल यानि 11 मई को यमुनानगर जिले में एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जहां सीएम मनोहर लाल प्रदेश को 46 स्वास्थ्य संस्थानों की सौगात देंगे।

» इन स्वास्थ्य संस्थानों का करेंगे उद्घाटन

भिवानी जिले के आंची देवी मेघराज, सिविल अस्पताल जींद और करनाल में 50 बेड वाले अस्पताल का वर्चुअल उद्घाटन-

फतेहाबाद, हिसार, रोहतक, कैथल, फरीदाबाद, पलवल, सिरसा, गुरुग्राम, नारनौल, चरखी दादरी, जींद, पंचकूला, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में 25 उप- स्वास्थ्य केंद्र (SHC), 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC), 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC), 1 शहरी स्वास्थ्य केंद्र (UHC) और 4 हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का उद्घाटन

स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने की तैयारी

मनोहर सरकार द्वारा राज्य में खोलें जानें वाले ये स्वास्थ्य संस्थान निश्चित रूप से सूबे की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के साथ- साथ स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में अहम रोल अदा करेंगे।मौजूदा गठबंधन सरकार में सूबे में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए वित्त वर्ष 2023- 24 के बजट में भी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 9,647 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

सी एम की अध्यक्षता में हरियाणा हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक खत्म, 275 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी

हरियाणा/चंडीगढ़।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 26 एजेंडा रखे गए जिनमें से 16 एजेंडा को मंजूरी दी गई।सीएम ने कुल 275 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी दी है। जिसमें की गई खरीदारी से सरकार के 7 करोड़ रुपए से ज्यादा की बचत हुई।इसके अलावा, बैठक में सिंचाई के 11 एजेंडा भी पास किए गए. सीएम ने बैठक में पशु बीमा से जुड़े प्रस्ताव को भी अपनी मंजूरी दे दी।

बैठक में सीएम के कृषि, बिजली व परिवहन विभागों में खरीद को लेकर चर्चा हुई। बैठक में बिजली विभाग मंत्री रणजीत सिंह चौटाला, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, कृषि मंत्री जेपी दलाल और सहकारिता विभाग मंत्री अनूप धानक मौजूद हैं.

» 28 एजेंडों पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा में वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में हुई हाई पावर क्रय समिति की बैठक में 28 एजेंडों पर चर्चा की. इस दौरान उन्होंने 375 नई ई- बसें खरीदने की मंजूरी दी थी. बैठक में 5412 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी दी गई. इसके अलावा, बैठक में साढ़े चार लाख स्ट्रीट लाइट लगाने के टेंडर को भी मंजूरी दी गई।

» 85 करोड़ की हुई बचत

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाई पावर क्रय समिति की बैठक में हुई खरीद से सरकारी खजाने में करीब 85 करोड़ रुपये की बचत हुई। सीएम ने बताया कि आज करीब 1,200 करोड़ के पाइप का टेंडर भी हो चुका है।फसल खराब होने पर मुआवजे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मई माह में किसानों को मुआवजा मिल जाएगा।

» किसानों को 70 करोड़ रुपए का क्लेम

मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद बताया कि पशु बीमा के लिए भी इंशचोरेंस कंपनी के साथ रेट कॉन्ट्रैक्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही पशु बीमा योजना कारगर सिद्ध हो रही है। इस योजना के तहत किसानों को 70 करोड़ रुपये का क्लेम दिया गया है।

» एल–5 तक होता है नेगोशिएशन

मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने टेंडर प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के लिए व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित किया है। पहले केवल एल-1 पार्टी से ही नेगोशिएशन किया जाता था। हमने यह सिस्टम बनाया है कि बोली राशि के 5 प्रतिशत तक की रेंज में एल-5 तक पार्टियों को नेगोशिएशन के लिए बुलाया जाता है, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से रेट तय किए जा सकें।

उन्होंने कहा कि सरकार का ध्येय यही है कि जनता का 1-1 रुपए पारदर्शी तरीके से जनता के हित के लिए ही खर्च हो।

» दूसरी मीटिंग में 28 एजेंडों पर हुई चर्चा

हरियाणा में वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने की हाई पावर परचेज कमेटी की मीटिंग में 28 एजेंडों पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चर्चा की। इस दौरान उन्होंने 375 नई ई-बसें खरीदने की मंजूरी दी थी। मीटिंग में 5412 करोड़ रुपए की खरीद की मंजूरी दी गई थी। इसके अलावा मीटिंग में साढ़े 4 लाख स्ट्रीट लाइट लगाने के टेंडर को भी मंजूरी दी गई थी।

» 85 करोड़ की हुई थी बचत

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाई पावर परचेज कमेटी की मीटिंग में हुई खरीद के जरिए करीब 85 करोड़ रुपए की सरकारी खजाने की बचत हुई। सीएम ने बताया कि आज करीब 12 सौ करोड़ के पाइप का भी टेंडर किया गया है। फसल खराब के मुआवजे पर मुख्यमंत्री ने बताया कि मई महीने में किसानों को मुआवजा मिल जाएगा।

» पहली मीटिंग में किसानी के मुद्दों पर मंथन

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज कई मैराथन मीटिंगों में भाग लिया। हाई पावर परचेज कमेटी की मीटिंग से पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अधिकारियों और मंत्रियों के साथ सरसों खरीद को लेकर मंथन किया। लगातार बारिश से हो रहे फसलों के नुकसान को लेकर सी एम ने गहरी चिंता व्यक्त की। मीटिंग में अधिकारियों को सरसों खरीद और किसानों की पेमेंट सही टाइम पर हो इसका लक्ष्य दिया गया। मीटिंग में कृषि मंत्री जेपी दलाल और परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा मौजूद रहे।

» पहली बैठक में खेती के मुद्दों पर मंथन

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज कई मैराथन सभाओं में हिस्सा लिया। हाई पावर खरीद समिति की बैठक से पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सरसों खरीद को लेकर अधिकारियों और मंत्रियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने लगातार बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की. बैठक में अधिकारियों को सरसों खरीद कर किसानों को सही समय पर भुगतान करने का लक्ष्य दिया गया। बैठक में कृषि मंत्री जेपी दलाल और परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा मौजूद थे।

उपायुक्त ने जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

हरियाणा/चंडीगढ़।

उपायुक्त डॉ. प्रियका सोनी ने लघु सचिवालय के सभागार में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी पर किये गये कार्यों की आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को अगली बैठक में अपने कार्यों में प्रगति सुनिश्चित करने व लंबित पड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर डीसीपी ट्राफिक निकिता खट्टर भी उपस्थित थी।

बैठक में सचिव आरटीए एवं आईएफएस हैरतजीत कौर ने सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष बारी-बारी से प्रस्तुत की। उपायुक्त ने सड़क निर्माण एजंसियों- लोक निर्माण विभाग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को संबंधित अधिकारियों की सड़क सुरक्षा से संबंधित ट्रेनिंग करवाने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने अधिकारियों को चेताते हुये कहा कि सभी विभागों के अधिकारी अपने कार्यों को जल्दी ही पूरा करें और जिन विभागों ने अपने कार्य को पूरा कर लिया है, वे उसकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने जिन विभागों के कार्य लंबे समय से लंबित है, उनको सचेत करते हुये कहा कि कार्य में तेजी लाते हुये उनको जल्दी से जल्दी पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी संबंधित विभाग जल्द से जल्द सड़क सुरक्षा ऑडिट करवाएं तथा ऑडिट करवाते समय सड़क सुरक्षा समिति के गैर सरकारी सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित करें ताकि सत्यापित ऑडिट रिपोर्ट तैयार कर उस पर कार्य किया जा सके। उपायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को एक्सीडेंट प्रोन एरिया में अपना कार्य जल्द से जल्द पूरा करने व टूटे हुए अपरेटस को ठीक करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को सड़क किनारे लगे वृक्षों की छटाई करने व इस दिशा में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिये।

सैकटरी आरटीए ने उपायुक्त को बताया कि उन्होंने पिछले कुछ दिनों काफी स्कूल बसों को चैक किया है और 7 स्कूलों की स्कूल बसों को खामियां पाये जाने के कारण नोटिस जारी किया है। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस विभाग को निर्देश दिये कि निजी स्कूलों की बसें यदि स्कूलों की पार्किंग या अन्य पार्किंगों में न खड़ी होने की बजाए अन्य स्थानों पर खड़ी हों तो उनके चालान किए जाएं ताकि यातायात को सुगम बनाया जा सके। इसके साथ ही आरटीए द्वारा इंपाउंड किए गए वाहनों को संबंधित क्षेत्र के थाना तथा हरियाणा रोडवेज की पुरानी वर्कशॉप में खड़ा करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि राजकीय महाविद्यालय कालका के बाहर कॉलेज की छुट्टी के समय यातायात पुलिस की तैनाती की जाए और सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगवाया जाए ताकि आने वाले वाहनों की स्पीड जीरो के हो और विद्यार्थियों को सड़क पार करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

उन्होंने एसएसवीपी, नगर निगम व संबंधित विभागों को निर्देश दिये कि एक्सीडेंट प्रोन एरिया में रेड लाईट व सेक्टर-14 के गर्ल्स कॉलेज पर बल्किग लाईट लगाने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने सचिव आरटीए को निर्देश दिये कि स्कूल की बसों पर आरटीए कार्यालय का लैंडलाईन नंबर भी अंकित करवाएं ताकि स्कूल बस चालक द्वारा किसी भी प्रकार की कोताही बरते जाने की सूचना उन्हें दी जा सके। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि सभी स्कूलों को पत्र जारी कर निर्देश दिये जाएं कि वे अपने स्कूलों की बसों को स्कूल परिसरों में पार्क करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों के जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं। उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर आरटीए कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपायुक्त ने डीसीपी ट्रैफिक को रैश ड्राईविंग, बिना डाकोमेंट के ड्राईविंग, रैड लाईट जंप करवाने वालों के खिलाफ चलानिंग व नाके लगाकर चैकिंग करने के निर्देश दिये ताकि पंचकूलावासियों को सुरक्षित रखा जा सके।

इस अवसर पर एसडीएम पंचकूला ममता शर्मा व कालका रूचि सिंह बेदी, जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक, एसीपी विजय नेहरा, एसडीओ एसएसवीपी पिंजौर राजबीर सिंह, एनएसएआई पंचकूला के इंजीनियर अभिमन्यू मलिक, एचएसआईआईडीसी बरवाला के एसडीओ अंकित कंबोज, एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता एनके पायल, डीडीपी पंचकूला जयदीप, एचएसएएमबी के एसडीओ हेमंत शर्मा, एटीपी पंचकूला अशोक कुमार, रोड सैफ्टी ऑरगेनाईजेशन के कुलदीप सिंह, नरेन्द्र जैन, अनु ठाकुर और कृष्ण गोयल सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने राजस्व अधिकारियों के साथ मासिक बैठक की करी अध्यक्षता

- **उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को अपने अपने लंबित कार्यों में तेजी लाने व प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के दिये निर्देश**

हरियाणा/चंडीगढ़,।

: उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी की अध्यक्षता में आज लघु सचिवालय के सभागार में राजस्व अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जमाबंदी, इंतकाल, कोर्ट केस, ई गिरदावरी को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को अपने अपने लंबित कार्यों में तेजी लाने व प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिये।

बैठक में एसडीएम पंचकूला, एसडीएम कालका, तहसीलदार पंचकूला, कालका, नायब तहसीलदार पंचकूला, रायपुररानी, मोरनी और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। राजस्व विभाग के तहसीलदार व नायब तहसीलदारों ने बारी बारी से उपायुक्त को अपने अपने लंबित कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उपायुक्त डॉ. सोनी ने राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि सभी अपने अपने संबंधित विभागों के लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि जिला में 1570 लंबित कार्य है। इन सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में पूरा करें।

इस अवसर पर एसडीएम पंचकूला ममता शर्मा व कालका रूचि सिंह बेदी, पंचकूला के तहसीलदार पुण्यदीप शर्मा, रायपुररानी के तहसीलदार वीरेंद्र गिल, कालका के तहसीलदार विक्रम सिंगला, नायब तहसीलदार मोरनी पूनम सोलंकी, बरवाला के नायब तहसीलदार अभिनव गौतम सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

सुविचार

ऐ ज़िन्दगी तू अपनी रफ़्तार पर इतना न इतरा। जो रोक ली मैंने अपनी सांसे तो तू भी चल न पाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नापाक दांव

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को गोपनीय जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार होना अत्यंत चिंता का विषय है। जो लोग तकनीक के विशेषज्ञ हैं, जिन पर हमारे देश की सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी है, वे सोशल मीडिया पर किसी पाकिस्तानी महिला एजेंट के झांसे में कैसे आ सकते हैं? क्या उन्हें इस बात की जानकारी नहीं कि दुश्मन देशों की एजेंसियां हमेशा इस ताक में रहती हैं कि कब ऐसे पद पर कार्यरत कोई अधिकारी या कर्मचारी उनके निशाने पर आए और वे उसका शिकार करें? महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने जिन वैज्ञानिक को गिरफ्तार किया है, उनकी उम्र करीब 59 साल है। वे बहुत अनुभवी हैं। उन्हें पूरी तरह से पता है कि किस कदम से देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। उन्हें कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर काम किया है, जिनका सीधा संबंध हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था से है। फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक ने दुश्मन देश की 'महिला' की बातों में आकर अपनी मातृभूमि का सौदा कर लिया? सरकार और खुफिया एजेंसियों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके आधार पर यही कहा जा रहा है कि यह वैज्ञानिक साल 2022 से पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था। मामला हनी ट्रैप का है, जिसकी शुरुआत पाकिस्तानी महिला एजेंट ने सितंबर 2022 में वॉट्सऐप के जरिए संपर्क से की थी।

क्या पुणे में डीआरडीओ की एक इकाई के निदेशक रहे इस वरिष्ठ वैज्ञानिक को यह तक पता नहीं चला कि जिस महिला से वॉट्सऐप मैसेज और वीडियो कॉल पर बातचीत हो रही है, वह पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी की एजेंट है? उसका तो मकसद ही 'मीठी-मीठी' बातें कर ज़्यादा से ज़्यादा राज़ हासिल करना है! यह पहला मौका नहीं है, जब देश की सुरक्षा से जुड़ा कोई व्यक्ति पाकिस्तानी एजेंसियों के ऐसे जाल में फंसा है। इससे पहले ब्रह्मोस से जुड़े एक युवा इंजीनियर का मामला खूब सुर्खियों में रहा था। भारतीय सेना, बीएसएफ में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। यह देखकर आश्चर्य भी होता है कि इतने अध्ययन और प्रशिक्षण के बाद संवेदनशील स्थानों पर तैनात लोग इतनी आसानी से पाकिस्तानी महिला एजेंटों के जाल में फंस जाते हैं! ज़्यादातर मामलों में यह देखने में आया है कि सबसे पहले संबंधित व्यक्ति को सोशल मीडिया पर कोई संदेश मिला। फिर किसी बहाने से बातचीत शुरू हुई। उसके बाद 'दोस्ती' हुई, जो धीरे-धीरे 'गहरी' होती गई। फिर बात मैसेज से वीडियो कॉल पर आ गई, जिनमें अश्लीलता भी थी। इस दौरान महिला ने सुरक्षा से जुड़ी कोई साधारण जानकारी मांगी। फिर कुछ महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील जानकारी मांगी। इधर, उस महिला के मोहपाश में फंसा व्यक्ति उसके 'आदेश' का पालन करता हुआ जानकारी भेजता रहा। पाकिस्तान के किसी शहर में बैठी वह 'महिला' अपने रूप का जाल कई जगह फेंकती है और उसे निराश नहीं होना पड़ता है, क्योंकि कहीं-न-कहीं कुछ लोग ऐसे मिल ही जाते हैं, जो उसकी 'बातों' को प्रेम समझ लेते हैं। कुछ मामलों में तो ये एजेंट संबंधित व्यक्ति को रुपए भी भेज देती हैं। जो व्यक्ति एक बार इस जाल में फंस जाता है, वह अपना नुकसान तो करता ही है, देश का नुकसान भी कर बैठता है। ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि संवेदनशील स्थानों पर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही कड़ी नज़र भी रखी जाए, ताकि दुश्मन का यह नापाक दांव कभी कामयाब न हो।

ट्वीटर टॉक

गुरुदेव के विचारों से अनेक पीढ़ियां प्रेरित हुईं और आने वाले युगों तक भी होती रहेंगी। वे जीवन के कठिन सत्य को सरल शब्दों में समझा देते थे। टैगोर जी के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए गुजरात की बेटी जाह्नवीबा के वाणी में जितना ओज था, उतने ही प्रभावी उनके शब्द भी थे।

-ओम बिरला

मध्य प्रदेश के खरगोन में बस दुर्घटना में 22 यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिवारजनों को संबल प्रदान करें तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-दिया कुमारी

अजमेर में जन्मे भारतीय रंगमंच के ख्यातनाम निर्देशक, अभिनेता और नाटककार तथा नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, दिल्ली के निदेशक रहे श्री मोहन महर्षि के निधन का समाचार दुखद है। रंगमंच के पुरोधा स्वर्गीय महर्षि ने अपना संपूर्ण जीवन नाट्य विधा को समर्पित किया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अपमान का प्रतिकार

नेताजी सुभाषचंद्र बोस में राष्ट्रप्रेम व स्वाभिमान की भावना बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। यह उन दिनों की बात है जब वर्ष 1913 में उन्होंने दर्शनशास्त्र के अध्ययन के लिये कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कालेज में दाखिला लिया। वे कालेज में रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करके छात्रों को एकता के सूत्र में पिरो देते थे। यही वजह है कि तमाम छात्र उनका नेतृत्व स्वीकार करते थे। लेकिन कालेज के अंग्रेज शिक्षक भारतीय छात्रों का मनोबल गिराते रहते थे। वे अहंकार में भरकर भारतीयों के लिये अक्सर अपमानजनक टिप्पणियां किया करते थे। एक बार एक अंग्रेज शिक्षक की अपमानजनक टिप्पणी से छात्र खासे आहत हुए। छात्रों में बहुत रोष व्याप्त हो गया। तभी एक अन्य शिक्षक ने अपने साथी की गलती पर खेद जताने के बजाय भारतीय छात्रों को ही फटकार दिया। इससे छात्र गुस्से में आ गये और शिक्षक की पिटाई कर दी। फिर कालेज में हंगामा मच गया। लेकिन कालेज प्रबंधन ने सुभाष बाबू को छात्रों का नेता मानते हुए दोषी करार दिया तथा वर्ष 1916 में उन्हें कालेज से निष्कासित कर दिया। सुभाष ने मातृभूमि की गरिमा के लिये माफी मांगने से इनकार कर दिया।

सामयिक

बजरंगदल पर प्रतिबंध की कांग्रेस की मंशा के मायने?

अवधेश कुमार

यह दुर्भाग्य है कि देश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी इस तरह की घोषणाएं कर रही है। वीरप्पा मोइली ने ठीक ही कहा कि राज्य सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकती। वास्तव में राज्य सरकार केंद्र को प्रस्ताव भेज सकती है। देश के संविधान, कानून ,राज्य केंद्र के बीच विभाजक रेखा आदि समझने वाले घोषणा पत्र बनाते तो ऐसी आत्ज्ञघाती नासमझी नहीं करते। वैसे भी 6 दिसंबर, 1992 के बाबरी विध्वंस के बाद कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया था जो न्यायालय में नहीं टिक सका।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सारे सर्वेक्षण बता रहे थे कि कांग्रेस भाजपा से आगे है। अचानक बजरंगबली के प्रवेश ने सर्वेक्षणकर्ताओं व विश्लेषकों को नए सिरे से पूरे चुनावी माहौल का आकलन करने को विवश किया। कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात के साथ ऐसा लगा जैसे पूरा चुनाव इस पर केंद्रित होता जा रहा हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभाओं में बोल रहे थे कि कांग्रेस ने एक समय श्रीराम को ताले में जकड़ा और अब बजरंगबली को बंद करने की बात कर रहे हैं। हर सभा में जय बजरंगबली नारा गूंज रहा था और पूरे प्रदेश में हनुमान चालीसा से लेकर हनुमान मंदिरों में पूजा-पाठ व अन्य कार्यक्रम होने लगे। यह सब अस्वाभाविक नहीं। यह ऐसी घोषणा थी जिसके विरुद्ध हिंदू एकजुटता का आह्वान करना आसान था।

कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा पर चुनाव के हिंदूकरण करने का भले आरोप लगाए, यह अवसर उन्होंने स्वयं अपनी नासमझी से दिया। कोई भी कल्पना कर सकता था कि भाजपा सहित विहिप, बजरंग दल जैसे संगठन इसका न केवल पुरजोर विरोध करेंगे बल्कि अपने पक्ष में माहौल बनाने की भी हरसंभव रणनीति अपनाएंगे। क्या घोषणा पत्र में बजरंग दल को प्रतिबंधित करने का मुद्दा डालने वाले मान रहे थे कि भाजपा इसे यूं ही जाने देगी? अगर वे ऐसा सोच रहे थे तो यही कहना पड़ेगा कि अपनी दुर्दशा के बावजूद कांग्रेस ने न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीति में आविर्भाव के बाद देश के बदले हुए मानस और माहौल को समझा न अपनी गलतियों से कोई सीख लिया है।

किसी को कांग्रेस की परेशानी को लेकर संदेह हो तो वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली तथा प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बयान और गतिविधियों पर दृष्टि डालें। एक, डीके शिवकुमार न सिर्फ इस घोषणा पर हंगामे के बाद मंदिर पहुंचे बल्कि यह घोषणा कर दी कि पार्टी सत्ता में आई तो राज्य में जगह-जगह हनुमान मंदिर बनवाए जाएंगे और पुराने हनुमान मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। दो, उन्होंने मैसूर में बजरंगबली की पूजा करने के बाद कहा कि हनुमानजी के सिद्धांतों को जवानों तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्यक्रम भी आयोजित कराए जाएंगे। समझ सकते हैं कि डीके शिवकुमार के सामने इस घोषणा से कैसी परिस्थितियां पैदा हो गई है। अगर कांग्रेस ने यह घोषणा नहीं की होती तो उन्हें ऐसा बयान देने को विवश नहीं होना पड़ता। तीन,कांग्रेस की दशा का एक प्रमाण वीरप्पा मोइली का वह बयान है कि बजरंग दल को प्रतिबंधित करने का कोई प्रस्ताव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रतिबंध लगा ही नहीं सकती। तो ऐसी कारगुजारी कि किसने? उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार इस बारे में स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

प्रदेश के इतने बड़े नेता और प्रदेश अध्यक्ष तक को अगर पता नहीं कि उनके घोषणा पत्र में यह विषय आ रहा है तो फिर कांग्रेस के रणनीतिकार हैं कौन लोग? जी परमेश्वर घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष हैं। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने किसी संगठन का नाम ही नहीं लिया। यानी कोई जिम्मेवारी लेने को तैयार नहीं है। चुनाव पर इसका कितना असर होगा कहना कठिन है किंतु अगर कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन नहीं करती है या बहुमत से वंचित रह जाती है तो बदलते माहौल को देखते हुए यह बेहिचक कहा जा सकता है कि इस घोषणा की उसमें सबसे बड़ी भूमिका होगी। हालांकि इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। कुछ सच्चाईयां देखें। लंबे समय से कांग्रेस अपने विचार और व्यवहार में प्रदर्शित करती रही है कि उसकी सोच इसी दिशा में है। कांग्रेस की सोच यही है कि संघ व भाजपा के हिंदुत्व पर आक्रमण से मुस्लिम व इसाई मतों के साथ तथाकथित सेकुलर मतों का ध्रुवीकरण उसके पक्ष में होगा। ऐसा लगता है कि ईसाई और मुस्लिम मतों के एकमुश्त ध्रुवीकरण के इरादे से बजरंग दल पर प्रतिबंध की घोषणा की गई। बजरंग दल का ईसाई मिशनरियों तथा कट्टरपंथी मुस्लिम समूहों के साथ टकराव होता रहा है। केवल संतुलन बनाने के लिए पीएफआई का नाम दिया गया। पीएफआई को केंद्र सरकार पिछले वर्ष ही प्रतिबंधित कर चुकी है।

सोनिया गांधी द्वारा कांग्रेस का अध्यक्ष पद संभालने के बाद धीरे-धीरे देश की वो शक्तियां उनके इर्द-गिर्द एकत्रित होने लगी जिनकी विचारधारा में सबसे ऊपर संघ व भाजपा को हर हाल में खत्म करना तथा अपने किस्म का लिबरल सेकुलर लेफ्ट नीतियों का परिवेश कायम करना था। ऐसे लोग यूपीए शासनकाल में उनकी सलाहकार परिषद में थे। जो सोनिया गांधी के पास नहीं पहुंच सकते उन्होंने राहुल गांधी के इर्द-गिर्द अपना स्थान बनाया।

इसके कुछ परिणाम साफ साफ दिखाई दिए। एक,मुसलमानों की दशा पर सच्चर आयोग का गठन और उसकी रिपोर्ट इसी सोच की उपज थी। दो, गुजरात दंगों को केंद्र बनाकर नरेंद्र मोदी विरोधी अभियान का स्रोत वही था। तीन,वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह को जेल तक की हवा खानी पड़ी। चार,दंगा विरोधी कानून के बनाने के लिए लक्षित हिंसा विधेयक आया। पांच, इशरत जहां मुठभेड़ को गलत साबित करने के लिए सीबीआई को लगा दिया गया जिसकी गृह मंत्रालय के तहत ही आइबी से टकराव हो गई। छह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके संगठनों को स्थाई रूप से खत्म करने के लिए भगवा आतंकवाद, हिंदू आतंकवाद, संघी आतंकवाद जैसी शब्दावलियां उत्पन्न की गईं और झूठे मुकदमों तथा रिपोर्टों से ऐसे ताने-बाने बुनने की कोशिश हुई ताकि पूरा संघ परिवार ही मजहब आधारित संगठित हिंसा का आरोपी साबित हो जाए। इसके बाद संघ को प्रतिबंधित करना आसान होता।

सात, 2013 में कांग्रेस की बैठक में तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने बयान दिया कि भाजपा के शिविरों में हथियारों की का प्रशिक्षण दिया जाता है। यद्यपि कांग्रेस के कई नेताओं ने ही इसको स्वीकार नहीं किया किंतु इससे प्रमाणित होता था कि पार्टी नेतृत्व के इर्द-गिर्द कैसी विचारधारा और सोच के लोग प्रभावी स्थिति में है। इस धारा वाले लोगों का ही प्रभाव राहुल गांधी के बयानों में दिखता है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान संघ के पुराने निकर वाले गणवेश को जलते हुए दिखाना या वीर सावरकर के विरुद्ध बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग इसी का प्रमाण है। अपने घोषणा पत्र में देशद्रोह कानून खत्म करने से लेकर अफस्पा हटाने का वायदा के बाद कांग्रेस की विचारधारा को लेकर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए था।

हालांकि सारे कांग्रेसी इससे सहमत नहीं हो सकते लेकिन जिनके हाथों नेतृत्व हैं पार्टी की नीतियां उन्हीं के द्वारा निर्धारित होंगी और हो रहीं हैं। बार-बार कांग्रेस के नेताओं द्वारा नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अपमानजनक शब्दों का प्रयोग या संघ या फिर हिंदुत्व विचारधारा के सम्माननीय व्यक्तित्वों के विरुद्ध बयान आदि वर्तमान नेतृत्व को खुश करने की सोच के तहत दिए जाते हैं। बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात इसी सोच और व्यवहार का विस्तार है। वर्ष 2014 तक इस सोच और व्यवहार के विरुद्ध जनता के अंदर हो रही प्रतिक्रियाओं ने ऐसा वातावरण बनाया था जिसमें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा में अकेले बहुमत प्राप्त किया जिसकी स्वयं ज्यादातर भाजपाई कल्पना नहीं कर पा रहे थे। देश का मानस बदल रहा था और कांग्रेस का व्यवहार इसके विरुद्ध था। नरेंद्र मोदी का इतना लोकप्रिय और प्रभावी होना भारतीय राजनीति में पैराडाइम शिफ्ट का परिचायक था। पर कांग्रेस नेतृत्व के चारों ओर ऐसी तस्वीरें पेश की जाती रहीं हैं जिसमें उन्हें सच समझ ही नहीं आ सकता। इसलिए वे बार-बार वही गलती दोहरा रहे हैं। आज भाजपा अपनी गलतियों या पार्टी के अंदर मतभेद के कारण कुछ विधानसभा चुनावों में भले कमजोर प्रदर्शन करे लेकिन लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय वातावरण बिल्कुल उसके अनुरूप है।

यह दुर्भाग्य है कि देश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी इस तरह की घोषणाएं कर रही है। वीरप्पा मोइली ने ठीक ही कहा कि राज्य सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकती। वास्तव में राज्य सरकार केंद्र को प्रस्ताव भेज सकती है। देश के संविधान, कानून ,राज्य केंद्र के बीच विभाजक रेखा आदि समझने वाले घोषणा पत्र बनाते तो ऐसी आत्ज्ञघाती नासमझी नहीं करते। वैसे भी 6 दिसंबर, 1992 के बाबरी विध्वंस के बाद कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया था जो न्यायालय में नहीं टिक सका। संघ पर भी तीन बार प्रतिबंध लगे और सरकार को मुंह की खानी पड़ी। बावजूद स्वयं को संघ, भाजपा और इस तरह की विचारधारा कट्टर विरोधी साबित करने के लिए कांग्रेस ऐसी आत्मविनाशी हरकत कर रही है क्योंकि भारत के बदले मानस को समझने वाले परिपक्व और व्यावहारिक नेताओं के हाथों नीति-रीति और रणनीति बनाने का दायित्व नहीं है।इसका अर्थ यह हुआ कि वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व इसी तरह की सोच से आगे भी कदम उठाएगा। आघात के बाद थोड़े बहुत परिवर्तन कर सकता है किंतु वह अस्थायी होगा। यह वर्तमान कांग्रेस का स्वाभाविक चरित्र हो चुका है।

चिंतन

भारत में इतने मिग-21 क्रैश क्यों?

डॉ सत्यवान सौरभ

भविष्य के विमान दुर्घटनाओं को रोकना प्रौद्योगिकी के संयोजन और उपयुक्त और पर्याप्त पायलट प्रशिक्षण के उपयोग में निहित है। विमान में ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम की स्थापना प्रारंभिक संकेत उत्पन्न करेगी जो सीएफआईटी की शुरुआत के खिलाफ निवारक उपाय करने के लिए उड़ान चालक दल को सचेत कर सकती है। स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करने और सही हस्तक्षेप करने के लिए पायलटों के प्रभावी प्रशिक्षण पर पायलट प्रशिक्षण में जोर दिया जाना चाहिए।

मिग-21 लड़ाकू जहाज, जिन्हें साठ के दशक में तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) से खरीदा गया था। रूस इस फाइटर प्लेन को 1985 में रिटायर कर चुका है, लेकिन भारतीय सेना में आज भी इन जहाजों का इस्तेमाल हो रहा है। इस जहाज की खासियत रही है कि यह कभी धोखा नहीं देता, बशर्ते इसे पूरी सावधानी एवं सूझबूझ के साथ उड़ाया जाए। 1971 की लड़ाई में इस सुपरसोनिक जहाज की मार से दुश्मन कांप उठा था। ढाका के गवर्नर हाउस पर मिग-21 ने ही अटैक किया था। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ 1965 और 1999 की लड़ाई में भी इस लड़ाकू जहाज खुद को साबित कर दिखाया था। अब इस जहाज के क्रैश होने की घटनाएं इतनी ज्यादा हो चली हैं कि इसे 'उड़ता ताबूत' और 'विधवा बनाने वाला' तक कहा जाने लगा है। हालांकि इसका अपग्रेडेशन का काम चल रहा है, ऐसे में क्या अगले दो तीन साल में इसे पूरी तरह से रिटायर कर दिया जाएगा।

मिग-21 बाइसन विमानन इतिहास का पहला सुपरसोनिक जेट विमान है और दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला फाइटर जेट भी है। जबकि यह 60 साल से अधिक पुराना है, मिग - 21 अभी भी चार सक्रिय स्क्वाड्रनों के साथ भारतीय वायु सेना के साथ सेवा में है, और जेनरेशन 3 फाइटर जेट्स से मेल खाने के लिए अपडेट किया गया है। जेट वर्तमान में केवल इंटरसेप्टर के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं, लड़ाकू जेट के रूप में सीमित भूमिका के साथ और ज्यादातर प्रशिक्षण अभ्यास के लिए उपयोग किए जाते हैं। मिकोयान-गुरेविच मिग 21 एक सुपरसोनिक जेट लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान है, जिसे सोवियत संघ में मिकोयान-गुरेविच डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया है। मिग सोवियत संघ का एक उत्पाद है जिसने 1959 में सेवा में प्रवेश किया था। चार महाद्वीपों पर लगभग 60 देशों ने मिग-21 को उड़ाया है, और यह अपनी पहली उड़ान के छह दशक बाद भी कई देशों की सेवा करता है।

भारत ने 1963 में मिग-21 को शामिल किया और देश में विमान बनाने के लाइसेंस-निर्माण के लिए पूर्ण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अधिकार प्राप्त किए। 1985 में रूस ने विमान का उत्पादन बंद कर दिया, जबकि भारत ने उन्नत रूपों का संचालन जारी रखा। सोवियत वायु सेना - जिसे विमान को डिजाइन करने का श्रेय दिया जाता है - ने इसे 1985 में सेवा से हटा दिया। तब तक, अमेरिका से लेकर वियतनाम तक के देशों ने विमान को अपनी वायु सेना में शामिल कर लिया था। 1985 के बाद बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने इसे सेवा से हटा दिया। भारत के लिए, विमान को 1960 के दशक में वायु सेना में शामिल किया गया था और 1990 के दशक के मध्य में उनकी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी हो गई थी। इसके बावजूद इनका उन्नयन किया जा रहा है। अक्टूबर 2014 में, वायु सेना प्रमुख ने कहा कि पुराने विमानों को सेवा से हटाने में देरी से भारत की सुरक्षा को खतरा है क्योंकि बेड़े के कुछ हिस्से पुराने थे।

इसके अलावा, एक इंजन वाला विमान होने का मतलब है कि यह हमेशा खतरे में रहता है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना तब बढ़ जाती है जब कोई पक्षी उससे टकराता है या इंजन फेल हो जाता है। इसे अक्सर 'फ्लाइंग कॉफिन' और 'विडो मेकर' कहा जाता है, क्योंकि इसने पिछले कुछ वर्षों में कई दुर्घटनाओं का सामना किया है, जिसमें कई पायलट मारे गए हैं। नए लड़ाकू विमानों को शामिल करना। देरी के कारण, भारतीय वायुसेना को भारत के आसमान की रक्षा के लिए एक निश्चित स्क्वाड्रन ताकत बनाए रखने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेशी तेजस कार्यक्रम में देरी, राफेल सौदे के आसपास के राजनीतिक विवाद और धीमी गति वाली खरीद प्रक्रिया का मतलब है कि मिग को अंदर रखा जाना था। सामान्य से अधिक लंबी सेवा, अपनी सेवानिवृत्ति अवधि से परे - 1990 के दशक के मध्य में।

पिछले दस वर्षों में, 108 हवाई दुर्घटनाएं और नुकसान हुए हैं जिनमें सेना के सभी अंग शामिल हैं - भारतीय वायु सेना, नौसेना, सेना और तटरक्षक बल। इनमें से 21 दुर्घटनाओं में मिग-21 बाइसन और इसके वेरिएंट शामिल हैं, हालांकि भारतीय वायुसेना अब ज्यादातर पूर्व में उड़ती है। दुर्घटनाओं की उच्च दर ने विमान को 'फ्लाइंग कॉफिन' का उपनाम दिया। सैन्य विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने का कोई एक सामान्य कारण नहीं है। वे मौसम, मानवीय त्रुटि, तकनीकी त्रुटि से लेकर पक्षी हिट तक हो सकते हैं। मिग-21 एक इंजन वाला लड़ाकू विमान है, और यह कुछ दुर्घटनाओं का कारण भी हो सकता है। यह सिंगल इंजन फाइटर है और जब यह इंजन खो देता है, तो इसे फिर से शुरू करने की आवश्यकता होती है। अधिक बार यह फिर से रोशनी नहीं करता है लेकिन किसी भी इंजन को फिर से रोशन करने में एक सीमित समय लगता है, इसलिए यदि आप न्यूनतम ऊंचाई से नीचे हैं, तो आपको विमान छोड़ना होगा।

भविष्य के विमान दुर्घटनाओं को रोकना प्रौद्योगिकी के संयोजन और उपयुक्त और पर्याप्त पायलट प्रशिक्षण के उपयोग में निहित है। विमान में ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम की स्थापना प्रारंभिक संकेत उत्पन्न करेगी जो सीएफआईटी की शुरुआत के खिलाफ निवारक उपाय करने के लिए उड़ान चालक दल को सचेत कर सकती है। स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करने और सही हस्तक्षेप करने के लिए पायलटों के प्रभावी प्रशिक्षण पर पायलट प्रशिक्षण में जोर दिया जाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हरियाणा में नई एक्साइज पॉलिसी को मंजूरी: गांवों में कम होंगे ठेके; पंचकूला में मनसा देवी मंदिर का इलाका पवित्र एरिया

हरियाणा/चंडीगढ़।

हरियाणा कैबिनेट मीटिंग के दूसरे दिन नई एक्साइज पॉलिसी की मंजूरी मिल गई। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह मंजूरी दी गई। नई पॉलिसी के तहत गांवों में शराब ठेकों की संख्या को सरकार कम करेगी। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र के बाद पंचकूला को भी पवित्र एरिया घोषित किया गया है। इसके तहत पंचकूला में श्री माता मनसा देवी मंदिर के आसपास अधिसूचित पवित्र क्षेत्र में कोई भी शराब की दुकान खोलने की मंजूरी नहीं मिलेगी।

» 400 करोड़ का अतिरिक्त फंड बना

सीएम मनोहर लाल ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में राज्य का आबकारी राजस्व दोगुना हो गया है। पिछले 2 वर्षों में जिस लाइसेंस शुल्क पर दुकानें आवंटित की गई थी, उसकी शत-प्रतिशत वसूली भी की जा चुकी है। नई उत्पाद शुल्क नीति के साथ, सरकार का लक्ष्य रुपए एकत्र करना है। पर्यावरण और पशु कल्याण (गौ सेवा) के लिए 400 करोड़ का अतिरिक्त फंड बनाया गया है।

» 29 फरवरी से सिर्फ कांच की बोतलों में बिकेंगी शराब

मनोहर लाल ने कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से सरकार ने एक और बड़ा फैसला किया है। अब सूबे में 29 फरवरी 2024 के बाद शराब की सप्लाई सिर्फ कांच की बोतलों में ही की जाएगी। इसके साथ ही अब 4 हजार की आबादी वाले गांव में एक ठेका होगा। इस बार सरकार ने 11.50 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य निर्धारित किया है।

» ग्राम सचिव की संख्या बढ़ाई

सीएम मनोहर लाल ने बताया कि गांवों में विकास कार्य बाधित नहीं हो इसके लिए अतिरिक्त ग्राम सचिव रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि ग्राम सचिव की संख्या 1800 से बढ़ाकर 4487 कर दी गई है। पुराने ग्राम सचिव को ग्राम सचिव प्रथम कहा जाएगा। जल्द ही नए ग्राम सचिवों की नियुक्ति की प्रक्रिया सरकार शुरू करेगी।

» पंजाब पुलिस का सांडर्स फंड समाप्त

हरियाणा के सीएम ने बताया कि पंजाब पुलिस 1934 में हैंडी साइड फंड और सांडर्स फंड्स समाप्त किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को मंजूरी के बाद कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देकर महामहिम राज्यपाल को आर्डिनेंस के लिए

भेजेंगे।

» ये भी अहम फैसला:

- 6 नए सब डिवीजन मानेसर, जुलाना,नीलोखेड़ी, नांगल चौधरी, इसराना, छछरौली को मंजूरी
- HSMITC के कर्मचारी जिन्होंने बुजुर्गावस्था पेंशन भी ली, उनका पिछला बकाया 1–10–20 से एरियर के साथ मिलेगा
- उन कर्मचारियों से एक साल पहले तक की पेंडेंसी बिना ब्याज लेंगे
- गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा रोहतक को 33 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर देने के संबंध में दी गई स्वीकृति
- राज्य लेखा परीक्षा निदेशालय नाम का ऑडिट गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी
- कृषि व्यवसाय एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति 2018 में संशोधन के प्रस्ताव को मिली मंजूरी
- 3500 करोड़ के साथ 20000 लोगों को मिल सकेगा रोजगार
- पहले दिन बीसी–ए आरक्षण को मिली मंजूरी

पहले दिन पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट ने मंजूरी दी। दूसरे दिन एक्ट में संशोधन के लिए अध्यादेश लाया गया। कैबिनेट की मंजूरी के बाद हरियाणा में पंचायतों के बाद अब शहरी स्थानीय निकायों में भी पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए) को आरक्षण दिया जाना तय हो गया है। इसके अनुसार, शहरी स्थानीय निकायों में मेयर, चेयरमैन के कुल पदों में 8% बीसी-ए के लिए आरक्षित होंगे।

» बीसी–ए की आबादी से तय होगा पार्षद पद

पार्षद पद के लिए आरक्षण निकाय क्षेत्र में बीसी-ए की आबादी के अनुसार तय होगा। जिस निकाय में एससी आबादी 50% या अधिक है तो वहां बीसी-ए को उनकी आबादी के प्रतिशत के बावजूद आरक्षण नहीं मिलेगा।

निकाय में बीसी-ए को कम से कम एक सीट के लिए उसकी आबादी 2% या इससे अधिक होना जरूरी है। कैबिनेट की बैठक मंगलवार को भी होगी। इसमें आरक्षण के लिए एक्ट में संशोधन के लिए ऑर्डिनेंस लाया जाएगा।

» रिपोर्ट में प्रतिनिधित्व कम मिला

आयोग की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) दर्शन सिंह ने नागरिकों के पिछड़े वर्गों के राजनीतिक पिछड़ेपन के आकलन के लिए जांच की। जांच में आयोग ने पाया कि नागरिकों के पिछड़े वर्गों, ब्लॉक-ए (बीसी-ए) का राजनीतिक ढांचे में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, इसलिए उन्हें स्थानीय निकायों, नगर पालिकाओं के चुनाव में आरक्षण के समर्थन की आवश्यकता है, ताकि पर्याप्त भागीदारी हो सके।

» ब्लॉक–ए का पद होगा आरक्षित

प्रत्येक नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका में पार्षद का पद नागरिकों के ब्लॉक-ए के पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित होगा। इस प्रकार आरक्षित सीटों की संख्या उस क्षेत्र में सीटों की कुल संख्या के समान अनुपात में हो सकती है। शहरी स्थानीय क्षेत्र, उस शहरी स्थानीय क्षेत्र में कुल आबादी के नागरिकों के पिछड़े वर्ग ब्लॉक-ए की आबादी के आधे प्रतिशत के रूप में होगी।

यदि दशमलव मान 0.5 या अधिक है तो इसे अगले उच्च पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा। बशर्ते कि यदि पिछड़े वर्ग (ए) की आबादी सभा क्षेत्र की कुल आबादी का दो प्रतिशत या अधिक है तो प्रत्येक निकाय में पिछड़े वर्ग (ए) से संबंधित कम से कम एक पार्षद होगा।

» 50% से सीटें अधिक होने पर ये होगा नियम

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि पिछड़े वर्ग (ए) के लिए इस प्रकार आरक्षित सीटों की संख्या को अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या के साथ जोड़ने पर यदि उनकी कुल संख्या नगर निकायों की कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक हो जाती है तो पिछड़े वर्ग (ए) के लिए आरक्षित सीटों की संख्या को वहीं तक रखा जाएगा, जिससे कि अनुसूचित जाति और बीसी (ए) का आरक्षण नगर पालिका, नगर परिषद व नगर निगम के सदस्य की कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

» ऐसे तय होगी आरक्षण व्यवस्था

रिपोर्ट में आरक्षण को उदाहरण देक- र कहा गया है कि शहरी स्थानीय क्षेत्र में, 'ए' नागरिकों के ब्लॉक ए के पिछड़े वर्ग की आबादी उस शहरी स्थानीय क्षेत्र की कुल आबादी का 25 प्रतिशत है, तो 12.5 प्रतिशत सीटें पिछड़े वर्ग के ब्लॉक-ए नागरिकों के लिए आरक्षित होंगी। जहां किसी दिए गए शहरी स्थानीय क्षेत्र में अनुसूचित जाति की आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, वहां के नागरिकों के पिछड़े वर्ग ब्लॉक-ए को उनकी आबादी के प्रतिशत के बावजूद कोई आरक्षण नहीं मिलेगा।

» इन स्थिति में 4 सीटें होंगी आरक्षित

जहां अनुसूचित जाति की जनसंख्या शहरी स्थानीय निकाय की जनसंख्या का 40 प्रतिशत है तथा शहरी स्थानीय क्षेत्र में 10 सीटें हैं तो अनुसूचित जाति के लिए 4 सीटें आरक्षित होंगी, शेष एक सीट पिछड़ा वर्ग ब्लॉक के लिए उपलब्ध होगी। पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-ए के नागरिकों को नगर पालिका में एक सीट मिलेगी, भले ही उनके लिए उपलब्ध आरक्षण के प्रतिशत के अनुसार कोई सीट उपलब्ध न हो, बशर्ते कि संबंधित शहरी स्थानीय क्षेत्र में उनकी आबादी 2 प्रतिशत से कम न हो।

संक्षिप्त समाचार

वीरवार को तीन जिलों के दौरे पर रहेंगे डिप्टी सीएम

- **रोहतक, सोनीपत व पानीपत में करीब 20 विभिन्न कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत**

हरियाणा/चंडीगढ़,। 11 मई वीरवार को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला प्रदेश के तीन जिले रोहतक, सोनीपत और पानीपत के दौरे पर रहेंगे। वे यहां करीब 20 सार्वजनिक एवं निजी कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। जेजेपी प्रदेश

कार्यालय सचिव रणधीर सिंह ने बताया कि डिप्टी सीएम रोहतक में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके उपरांत दुष्यंत चौटाला रोहतक के गांव चिड़ी में होंगे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला गोहाना हलके में गांव ठसका, सेक्टर-7, नई अनाज मंडी, जैन स्थानक वाली गली, महावीर चौक, चौधरी देवीलाल नगर, गांधी नगर, बलराज नगर, शिव मंदिर धर्मशाला, रोहतक गेट, मेन बाजार, गांव गढ़ी सराय, गांव नगर और गांव जवाहरा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। गोहाना के कार्यक्रमों के बाद डिप्टी सीएम शाम को पानीपत जिले में रहेंगे और सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इन दौरों के दौरान डिप्टी सीएम शहर और ग्रामवासियों की समस्याएं भी सुनेंगे।

विश्वास फाउंडेशन ने 50 टीबी ग्रस्त मरीज़ो को बांटी प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट

हरियाणा/चंडीगढ़,। विश्वास फाउंडेशन द्वारा गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से आज बुधवार को टीबी से ग्रस्त मरीजों को प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट दी गई। 25 डाइट की किट्स सेक्टर 16 पंचकूला की डिस्पेंसरी में व 25 डाइट की किट्स पुराना पंचकूला सेक्टर 1 की डिस्पेंसरी में टीबी से ग्रस्त मरीजों को डोनेट की गई। विश्वास फाउंडेशन एक साल तक हर महीने इन बच्चो को प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट देने का काम कर रहा है। संस्था द्वारा डाइट देने की प्रक्रिया अगस्त माह से शुरू की गई थी आज दसवीं बार पोषक डाइट जरूरतमंदों को दी गई।

विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा ने बताया कि टीबी के मरीजों को अतिरिक्त पोषण, सोशल, मोरल सपोर्ट व टीबी मुक्त भारत के लिए कम्युनिटी सपोर्ट देने का काम किया है। सरकार का मकसद है कि टीबी को साल 2025 तक खत्म करना है, ऐसे सराहनीय कदम में विश्वास फाउंडेशन भी सरकार के इस फैसले के साथ है।

इस मौके पर विश्वास फाउंडेशन से उपाध्यक्ष साध्वी शक्ति विश्वास, ऋषि सरल विश्वास, सीएसएम ऑफिसर सरीता नरयाल, ललिता गुर्जर, वीरेंद्र भारद्वाज और जसबीर भी मौजूद रहे। इसके साथ साथ ही टीबी के मरीज़ो को प्रतिदिन 15-15 मिनट सुबह शाम मेडिटेशन व योगाभयस करने की सलाह भी दी गई।

अब तब पंचकूला की तीनों मंडियों में 33965 मिट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद',32091 मीट्रिक टन गेहूं का किया जा चुका है उठान'

हरियाणा/चंडीगढ़,। जिला में रबी सीजन 2023-24 के दौरान गेंहू की खरीद तथा उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा अब तब जिला की मंडियों में अब तक 33965 मिट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है और 32091 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजंसियों हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा पंचकूला, बरवाला और रायपुररानी स्थित अनाजमंडियों में गेंहू व सरसों की खरीद की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 10 मई को 561 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया गया, हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी से 30 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया, जिसमें हैफेड द्वारा रायपुररानी अनाज मंडी 531 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

हुड्डा ने बुलाई कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग:विपक्ष आपके द्वार पर मंथन; भाजपा जे जे पी गठबंधन पर होगी चर्चा, सांसद दीपेंद्र भी रहेंगे मौजूद

हरियाणा/चंडीगढ़,।

हरियाणा के पूर्व सी एम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। इस बैठक में हरियाणा कांग्रेस के विपक्ष आपके द्वार कार्यक्रम पर मंथन होगा। साथ ही भाजपा व जजपा के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर चल रही तकरार पर भी कांग्रेसी दिग्गज चर्चा करेंगे। सबसे अहम बात यह है कि इस बैठक में कांग्रेसी विधायकों के साथ राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी मौजूद रहेंगे।

यह बैठक चंडीगढ़ में हुड्डा के निवास पर होगी, जिसमें विधायक मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा कर आगे की रणनीति तैयार करेंगे।

» सरकार के खिलाफ नए आंदोलन की तैयारी

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के बाद से कांग्रेस विधायक दल की कोई बैठक नहीं हो पाई थी। हालांकि, सत्र के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा यमुनानगर में विपक्ष आपके समक्ष और सोनीपत में संविधान बचाओ रैली का आयोजन कर चुके हैं, लेकिन इस बैठक में गठबंधन की सरकार के विरुद्ध आंदोलन के नए प्रारूप पर चर्चा हो सकती है।

» यमुनानगर में सफल रहा विपक्ष आपके द्वार कार्यक्रम

यमुनानगर में हुड्डा का विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम काफी चर्चित और सफल रहा है। यमुनानगर अंबाला संसदीय क्षेत्र का हिस्सा और उत्तर हरियाणा का अंतिम जिला है। इस लिहाज से यमुनानगर में हुड्डा के शक्ति प्रदर्शन के कामयाब होने का मतलब राजनीतिक गलियारों में उनकी पार्टी व जनता पर मजबूत पकड़ के रूप में देखा जा रहा है।

» बैठक में यह होंगी घोषणाएं

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में अगले संसदीय क्षेत्र में विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम की घोषणा की जा सकती है। सिरसा, हिसार, भिवानी और रोहतक संसदीय क्षेत्रों में अभी यह कार्यक्रम होने वाले हैं, जबकि छह लोकसभा क्षेत्रों में विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम हो चुके हैं। बैठक में नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे खिलाड़ियों के समर्थन में बड़ा आंदोलन खड़ा करने और राज्यपाल से मिलने पर भी फैसला लिया जा सकता है।

» इनेलो के प्रस्ताव पर भी चर्चा

बैठक में इनेलो के साथ संभावित गठबंधन के मिल रहे प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस पार्टी के नेताओं के अनुसार बजट सत्र के बाद चूंकि विधायक मिल बैठकर चर्चा नहीं कर सके, इसलिए आज दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने यह बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि जब चर्चा होगी तो हर तरह के मसले पर बातचीत और फैसले लिए जाएंगे।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय कोना में स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

हरियाणा/चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के द्वारा जन जागरूकता अभियान के तहत आज राजकीय माध्यमिक विद्यालय कोना में स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के लिए बी.आर. सी सतीश कुमार द्वारा जागरूक किया गया। बी. आर. सी सतीश कुमार के द्वारा बच्चों को समझाया की भूमिगत जल धीरे धीरे कम होता जा रहा है जो आने वाले समय के लिए चिंता का विषय है। अगर इसी तरह हम पानी का दोहन करते रहेंगे तो वो दिन दूर नहीं जब पृथ्वी पर पीने के पानी की कमी हो जाएगी। इसके लिए हमें जागरूक होने की आवश्यकता है हमें पानी की एक-एक बूंद को बचाना है तथा पानी का सदुपयोग करना है वर्षा के दिनों में हम बरसात के जल का संचय कर सकते हैं वर्षा के जल को प्रयोग में ला सकते हैं तथा रेन वाटर हारवेस्टिग सिस्टम के द्वारा वर्षा के जल को जमीन में रिचार्ज कर सकते हैं जिसके द्वारा ग्रा- उंड वाटर लेवल बढ़ेगा । बच्चों को एफ. टी. के. किट से पानी टेस्ट करने की विधि समझाई गई व टोल फ्री नंबर 18001805678 की जानकारी दी गई ताकी जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल योजना को कामयाब बनाया जा सके और सबको स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके । कार्यक्रम में स्कूल की मुख्यध्यापिका मीना कुमारी व अन्य अध्यापक व आंगनवाड़ी वर्कर सरोज व आशा वर्कर और ए एन एम मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में जन संवाद पोर्टल लॉन्च किया

हरियाणा/चंडीगढ़।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में जन संवाद पोर्टल लॉन्च किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना, लोकसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल भी मौजूद रहे। इस पोर्टल पर जन संवाद कार्यक्रम के तहत आने वाली समस्याओं एवं सुझावों को अपलोड कर

पूरा लेखा जोखा रखा जाएगा। इसके बाद संबंधित अधिकारी इन समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित करेंगे और शिकायतकर्ता के पास इस बारे संदेश भी जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि जन संवाद कार्यक्रम के तहत 13 से 15 मई तक सिरसा में चतुर्थ जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत जिला सिरसा के कई गांवों के लोगों से सीधे रूबरू होकर संवाद किया जाएगा।

निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड में फैले भ्रष्टाचार रोक लगवाने व फर्जीवाड़ा फैलाने वालो पर कार्यवाही तथा परिवार पहचान पत्र की बाध्यता खत्म करवाने को लेकर भवन निर्माण कामगार यूनियन करेगी प्रदेशव्यापी आंदोलन: लच्छी राम शर्मा

हरियाणा/चंडीगढ़,।

निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड में फैले भ्रष्टाचार रोक लगवाने व फर्जीवाड़ा ×फैलाने वालो पर कार्यवाही तथा परिवार पहचान पत्र की बाध्यता खत्म करवाने को लेक- र भवन निर्माण कामगार यूनियन करेगी प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। उक्त निर्णय यूनियन की राज्य कमेटी की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान सुखबीर सिंह ने की।

बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए राज्य प्रधान सुखबीर सिंह, महासचिव राममेहर सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज सोनी ने कहा कि प्रदेश की सरकार जो मजदूर हितेषी होने का नारा अलाप रही है, वो ढोंग के अलावा और कुछ नही है।

30 मई तक सभी ब्लॉकों के कार्यकर्ताओ की वर्कशॉप कन्वेंशन करते हुये विधायको को ज्ञापन देंगे अगर समाधान नही हुवा तो

जुलाई में सयुक्त ट्रेड यूनियनों की कन्वेंशन करते हुऐ 9-10 अगस्त को 24 घण्टे के पड़ाव जिला

उपायुक्त कार्यालय , विधायक या मंत्री के आवास पर लगाये जाये पड़ाव जब तक समाधान नही जारी रहेंगे पड़ाव*।

मीटिंग में चर्चा करते राज्य नेतृत्व ने कहा गया कि आज चार महीने की लंबी आंदोलन की योजना बनाई गई जिसमें मई महीनों में सभी जिला कमेटियों की मीटिंग करते हुए 30 मई तक सभी ब्लॉकों के कार्यकर्ताओ की कन्वेंशन करते हुये अपनी मांगो का ज्ञापन विधायको को देंगे।

जुलाई में सयुक्त ट्रेड यूनियनों की कन्वेंशन करते हुऐ प्रदेश भर में सभी जिलों में 9- 10 अगस्त को विधायको मंत्रियो के आवासों पर महापड़ाव डाले जाएंगे अगर समाधान नही हुवा तो लगातार जारी रहेंगे। क्योकि आज श्रम कल्याण बोर्ड बड़े पैमाने पर भ्र्ष्टाचार फैला हुआ जिसमें आम मजदुरो को सुविधाओं से वंचित करने के लिए रोजाना अनाप शनाप शर्ते लगाई जा रही है आम जनता को फैमेली आईडी के नाम पर धक्के खिलाये जा रहे है जबकि भवन एव अन्य सहनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में ऐसी कोई प्रावधान नही है बोर्ड में तो साल भर में 90 दिन काम करने बोर्ड का सदस्य हो सकता है। मगर बिना किसी जरूरी के सरकार इसको गैरकानूनी टँग से लागू कर रही जिसका कोई औचित्य नही है।जिसको लेकर आज बड़ी समस्या बनी हुई है। फैमेली आईडी में आय ज्यादा दिखाकर लाखो बी पी एल राशन कार्ड काट दिए गये, बुढ़ापा विधवा पेंशन तक नही बक्शा गया।इसी फैमेली आईडी के वजय प्रवासी मजदुरो का पंजीकरण व सुविधाओं पर रोक ही लग गई जो बड़ी संख्या में निर्माण के क्षेत्र में लगा हुआ है वो इस से बाहर हो गया है। इसलिए प्रवासी मजदुरो का बिना फैमली आई डी के लागू होना चाहिए। आज तो बच्चो के दाखिलों में अनिवार्य कर दिया गया है। जिससे प्रवासी मजदुरो के बच्चो को तो शिक्षा से वंचित किया जा रहा हैं। सरकार मजदुरो को राहत देने की बजाय आज उनको महगाई बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है उसमे मनरेगा कुछ राहत दे सकता था सरकार ने उसमें भी 33 प्रतिशत की बजट में कटौती करके मजदुरो के पेट पर लात मारने का काम किया गया है।आज आवास शिक्षा स्वास्थ्य के बजट में बड़े पैमाने पर कटौती करके कॉरपोरेट टैक्स में छूट देकर उनके 14 लाख करोड़ बटे खाते डाल दिये ओर आम मजदुरो को गुलाम बनाने के लिए चार लैबर कोड लागू किया जा रहा है। जिसमे मजदुरो में भारी अंसतोष है। दूसरी तरफ सरकार और बोर्ड के अधिकारी की मिली भगत आज दलालों इनके यारो का आज सरेआम भ्र्ष्टाचार उजागर हो गया है मगर कोई कार्यवाही नही हुई आज तक इसलिए यूनियन ने लम्बा आंदोलन को योजना बनाई है। जिसमे मई महीने में सभी जिला व ब्लॉकों के कार्यकर्ताओ की वर्कशॉप कन्वेंशन करते हुये अपनी मांगों का विधायको को ज्ञापन देंगे अगर समाधान नही हुवा तो जुलाई में सयुक्त ट्रेड यूनियनों की कन्वेंशन करते हुऐ 9-10 अगस्त को 24 घण्टे के पड़ाव जिला उपायुक्त कार्यालय , विधायक या मंत्री के आवास पर लगाये जाये पड़ाव जब तक समाधान नही जारी रहेंगे पड़ाव।

आज की मीटिंग में राज्य सीटू राज्य अध्यक्षता सुरेखा सीटू राज्य उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, राज्य अध्यक्ष सुखबीर सिंह,राज्य उपाध्यक्ष देसराज, कश्मीर सिंह, राज्य महासचिव राममेहर सिंह, राज्य सचिव विनोद देशवाल, कपूर सिंह,अनील कुमार संदीप जाजवान,लच्छीराम, राज्य कैशियर मनोज सोनी राज्य कमेटी सदस्य बलवंत सिंह,संजीव, सत्यनारायण,अनिल कुमार, सुमेर सिंह,इत्यादि मीटिंग में सम्बोधित किया।